गैरसैंण, सोमवार
28 अक्टूबर 2024
वर्ष: 16
अंक: 167 पृष्ठ: 4
मूल्य: 2.00
RNI No.UTTHIN/2005/16338

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल
डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

एक नजर

नावघाट पर नहाते समय गंगा में बही किशोरी

ऋषिकेश। गंगा में नहाने के लिए पहुंची दो किशोरियों में से एक गंगा के तेज प्रवाह की चपेट में आकर बह गई। पुलिस और एसडीआरएफ की टीम ने किशोरी की तलाश के लिए गंगा में सर्चिंग ऑपरेशन चलाया, लेकिन देर शाम तक उसका कोई सुराग नहीं लग सका। कोतवाली पुलिस के मुताबिक रविवार दोपहर 15 वर्षीय नेहा निवासी मायाकुंड ऋषिकेश और 14 वर्षीय सुरुचि निवासी नरेला दिल्ली त्रिवेणीघाट पहुंची थी। इसी बीच दोनों नावघाट पर गंगा में नहाने चली गईं। नहाते हुए अचानक दोनों का संतुलन बिगड़ा और वह गंगा में बह गईं। इस दौरान नेहा किसी तरह से किनारे तक पहुंची, लेकिन सुरुचि तेज प्रवाह की चपेट में आकर उसकी आंखों से ओझल हो गई। फौरन नेहा ने घाट पर मौजूद लोगों के माध्यम से पुलिस को सूचित किया। तत्काल पुलिस और एसडीआरएफ की टीम घटनास्थल पर पहुंची। नावघाट से लेकर बैराज तक सुरुचि की तलाश गंगा में अभियान चलाया गया, मगर देर शाम तक उसका कुछ पता नहीं लगा। त्रिवेणीघाट चौकी प्रभारी प्रकाश पोखरियाल ने बताया कि सुरुचि मायाकुंड में नानी के यहां आई हुई थी। उसकी तलाश को सोमवार को फिर से गंगा में अभियान चलाया जाएगा।

जयराम चौक–चंद्रभागा पुल के बीच नहीं चलेंगे वाहन

ऋषिकेश। दीपावली पर्व में शहर में भीड़भाड़ की संभावना के मद्देनजर पुलिस ने ट्रैफिक प्लान तैयार कर लिया है। पुलिस का यह प्लान 29 अक्तूबर यानी धनतेरस की सुबह 10 बजे से लागू हो जाएगा, जिसमें जयराम चौक से चंद्रभागा पुल तक जीरो–जोन होगा। महज सवारी वाहन टेंपो को ही इस जोन से आवाजाही की इजाजत होगी। दोपहिया–चौपहिया वाहनों के लिए चार अस्थायी पार्किंग भी पुलिस ने चिन्हित कर ली हैं। धनतेरस पर शहर और आसपास से खरीदारी के लिए भारी तादाद में लोग बाजार का रुख करेंगे। लोगों की भीड़ से कहीं भी जाम की स्थिति उत्पन्न न हो, इसके लिए पुलिस हरिद्वार रोड से पुरानी चुंगी होते हुए इंद्रमणि बड़ोनी चौक से वाहनों को आगे भेजेगी, जबकि मुनिकीरेती से हरिद्वार के लिए वापसी बस अड्डा मार्ग से इंद्रमणि बड़ोनी चौक से ही होगी। जयराम चौक से चंद्रभाग पुल तक पैच में किसी भी वाहन को आवाजाही की इजाजत नहीं होगी। महज दोपहिया वाहन ही यहां आ–जा सकेंगे। सवारी को लाने और ले जाने के लिए टेंपो को इस पैच से गुजरेंगे। 50 जवानों के हाथों नगर क्षेत्र में त्योहार में ट्रैफिक को सुचारू रखने का जिम्मा होगा। जबकि, दो ड्रोन से भी पुलिस बाजार में पल–पल की निगरानी करेगी।

कर्मचारियों की छुट्टियां रद्द, पांच जगह खड़ रहेंगे अग्निशमन वाहन

हरिद्वार। दीपावली पर पटाखों के चलते अग्निकांड की घटनाएं हर साल सामने आती हैं। मुख्य अग्निशमन अधिकारी अभिनव त्यागी ने बताया कि अतिरिक्त फायर टेंडरों की तैनाती की गई है। संवेदनशील क्षेत्रों और बाजारों में फायर टेंडरों की संख्या बढ़ाई गई है। प्रमुख स्थानों पर दमकल वाहन और पानी के टैंकर चौबीस घंटे तैनात रहेंगे। बताया कि फायर स्टेशनों पर कर्मचारियों की छुट्टियां रद कर दी गई हैं। बताया कि पटाखों से होने वाली घटनाओं की रोकथाम के लिए विभिन्न कॉलोनियों और स्कूलों में जागरूकता अभियान चलाए गए हैं। जिसमें आमजन को पटाखों का सुरक्षित उपयोग और आग से बचाव के तरीके समझाए गए हैं।

बाघ के हमले में गुलदार की मौत

हल्द्वानी। शीतलाहाट मंदिर से लगे जंगलों में एक नर गुलदार मृत मिला है। प्रथम दृष्टया गुलदार की मौत बाघ के हमले में बताई जा रही है। फतेहपुर रेंज के रेंजर केआर आर्य ने बताया कि रविवार को वन कर्मियों की टीम फतेहपुर रेंज की बल्यूटी बीट (शीतलाहाट मंदिर क्षेत्र) में गश्त कर रही थी। इस दौरान एक नर गुलदार जिसकी उम्र करीब 5 साल होगी मृत मिला। गुलदार के आसपास बाघ के पंजों के निशान मिले हैं। जिससे यह प्रतीत हो रहा है कि बाघ और गुलदार के बीच संघर्ष हुआ है। जिसमें गुलदार की मौत हुई है। गुलदार के शव का पोस्टमार्टम कर उसे जला दिया गया है। मामले की जांच की जा रही है।

मुख्यमंत्री ने दीपावली पर्व पर प्रदेशवासियों को दी 130 नई बसों की सौगात

●उत्तराखण्ड परिवहन निगम के बेड़े में शामिल हुई बी.एस.–06 मॉडल की बसें● – मुख्यमंत्री ने आई.एस.बी.टी देहरादून से किया फ्लैग ऑफ

देहरादून। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज उत्तराखंड परिवहन निगम के बेड़े में 130 नई बसों को शामिल कर राज्य के विकास में एक और महत्वपूर्ण कड़ी जुड़ रही है। आधुनिक तकनीक से युक्त नई बसें हमारे राज्य के परिवहन तंत्र को सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होंगी।

ये बसें न केवल यात्रियों को सुरक्षित, सुविधाजनक और किफायती यात्रा का अनुभव प्रदान करेंगी, बल्कि प्रदेश की आर्थिक, सामाजिक और पर्यटन गतिविधियों में भी नई ऊर्जा का संचार भी करेंगी। उन्होंने कहा कि उत्तर-खण्ड की भौगोलिक परिस्थितियां अन्य राज्यों की तुलना में चुनौतीपूर्ण हैं। राज्य के दुर्गम और सुदूरवर्ती ग्रामीण क्षेत्र बुनियादी सुविधाओं के लिए हमारे परिवहन नेटवर्क पर ही निर्भर हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पर्यटन क्षेत्र उत्तराखण्ड की अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं। ऐसे में प्रभावी परिवहन तंत्र न केवल यात्रियों की सुविधा के लिए अति– आवश्यक है, बल्कि आर्थिक विकास में भी अपना योगदान देता है। राज्य के हर कोने को बेहतर सड़क नेटवर्क और विश्वसनीय परिवहन सेवाओं से जोड़ना हमारा संकल्प है। उन्होंने कहा कि सरकार उत्तराखंड परिवहन निगम को मजबूती प्रदान करने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। जहाँ कुछ वर्ष पूर्व तक हमारा परिवहन निगम 500 करोड़ से भी अधिक के घाटे में था। पिछले तीन वर्षों से परिवहन निगम लगातार मुनाफे में है। इसके लिए उन्होंने परिवहन निगम के अधिकारियों और कर्मचारियों के कार्यों की प्रशंसा भी की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस दशक को उत्तराखण्ड का दशक बनाने के लिए हम आगे बढ़ रहे हैं। आज अनेक क्षेत्रों में उत्तराखण्ड देश की अग्रणी राज्यों की श्रेणी में शामिल है। नीति आयोग द्वारा जारी सतत विकास लक्ष्यों में राज्य को प्रथम स्थान मिला है, इसे बनाये रखना हमारे लिए चुनौती है। राज्य की जीएसडीपी तेजी से बढ़ी है और बेरोजगारी दर घटी है। जल्द ही बस बेड़े में इलेक्ट्रिक बसों का भी समावेश किया जायेगा। सरकार अपने चालक–परिचालकों की समस्याओं से भी भलीभांति परिचित है। इसके लिए चाहे डीए में बढ़ोतरी हो, 7वें वेतन आयोग की सिफारिशों को लागू करना हो या निगम में भर्तियों के माध्यम से मैन–पावर की समस्या का समाधान करना हो, हम पूरी प्रतिबद्धता के साथ उनके कल्याण के लिए कार्य कर रहे हैं। इस दीपावली के अवसर पर सेवाएं देने वाले चालकों, परिचालकों और तकनीकी कर्मचारियों को प्रोत्साहन राशि देने का भी फैसला किया गया है।

विधायक विनोद चमोली ने कहा कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में एक ही बार में बसों के बेड़े में 10 प्रतिशत की वृद्धि राज्य के लिए एक बड़ी सौगात है। इससे जहां लोगों का आवागमन सुगम होगा वहीं लोगों को अपनी विरासत से जोड़ने का कार्य मुख्यमंत्री ने किया है। उन्होंने कहा कि परिवहन निगम को और फायदे में लाने के लिए निरंतर प्रयास जरूरी है। आईएसबीटी का सौन्दर्यीकरण के साथ ही अतिक्रमण को रोकने के लिए निरंतर प्रयास करने होंगे।

इस अवसर पर विधायक प्रमोद नैनवाल, सविता कपूर, मण्डल अध्यक्ष संजीव सिंघल, गढ़वाल कमिश्नर विनय शंकर पाण्डेय, उपाध्यक्ष एमडीडीए बंशीधर तिवारी, अपर सचिव परिवहन निगम नरेन्द्र जोशी, अनिल गर्ब्याल एवं परिवहन निगम के अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

पीएम मोदी ने देशवासियों को डिजिटल अरेस्ट से चेताया, रुको-सोचो-एक्शन लो का दिया मंत्र

नई दिल्ली , प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम मन की बात के 115 वें एपिसोड में देशवासियों को डिजिटल अरेस्ट को लेकर सजग रहने की नसीहत दी। उन्होंने साइबर फ्रॉड से बचने के लिए रुको–सोचो–एक्शन लोह्न का मंत्र भी दिया है। पीएम मोदी ने डिजिटल अरेस्ट के बारे में बताने से पहले इससे जुड़ा एक वीडियो दिखाया, जिसके माध्यम से उन्होंने बताया कि ह्यडिजिटल अरेस्टह्न की घटनाएं कैसे होती हैं। उन्होंने बताया कि फ्रॉड करने वाले पुलिस, सीबीआई, नारकोटिक्स या आरबीआई के अधिकारी बनकर लोगों को डराते हैं।

इस खतरनाक खेल समझना और समझाना बहुत जरूरी है। प्रधानमंत्री मोदी ने डिजिटल अरेस्ट का फरेब करने वालों के बारे में कहा कि उनका पहला दांव होता है कि ये आपकी सारी व्यक्तिगत जानकारी जुटा कर रखते हैं। उनका दूसरा दांव भय का माहौल पैदा करने का होता है। यह फोन कॉल पर इतना डरा देंगे कि आप कुछ सोच ही नहीं पाएंगे। वहीं फ्रॉड करने वालों का तीसरा दांव समय का अभाव दिखाते हैं, ये इतना मनोवैज्ञानिक दबाव बनाते हैं कि इंसान डर जाता है और डिजिटल अरेस्ट का शिकार हो जाता है। प्रधानमंत्री ने बताया कि डिजिटल अरेस्ट का शिकार हर उम्र के लोग हो रहे हैं और डर की वजह से अपनी मेहनत से कमाए हुए लाखों रुपए गंवा रहे हैं। ऐसे में कभी भी आपको इस तरह के कॉल आए तो डरना नहीं है। आपको पता होना चाहिए कि कोई भी जांच एजेंसी फोन या वीडियो कॉल के माध्यम से इस तरह पूछताछ कभी नहीं करती। पीएम मोदी ने डिजिटल अरेस्ट से बचने के लिए तीन चरणों के बारे में बताया। उन्होंने ह्यरुको–सोचो–एक्शन लोह्न का मंत्र समझाया। बोले, पहले चरण में रुकना चाहिए और व्यक्तिगत जानकारी नहीं साझा करनी चाहिए। अगर, संभव हो तो स्क्रीनशॉट या रिकॉर्डिंग कर लेनी चाहिए। दूसरे चरण में सोचना और समझना चाहिए कि कोई भी सरकारी एजेंसी फोन पर ऐसे धमकी कभी भी नहीं देती और वीडियो कॉल से पूछताछ करके पैसे की मांग नहीं करती। अगर डर लगे तो समझिए कि कुछ गड़बड़ है।

वहीं तीसरे चरण में ऐसे फ्रॉड पर एक्शन लेना चाहिए। साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर डायल करके इसकी सूचना देनी चाहिए और साइबरक्राइम.जीओवी.इन मेल पर रिपोर्ट करनी चाहिए।

पुंछ में आतंकी ठिकाने का भंडाफोड़, 3 बारूदी सुरंगों का पता चला, राजौरी में बढ़ाई गई सुरक्षा

पुंछ , जम्मू–कश्मीर के पुंछ जिले में सुरक्षा बलों ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए एक संदिग्ध आतंकी ठिकाने का भंडाफोड़ किया है। इस ठिकाने से दो हथगोले और तीन बारूदी सुरंगें बरामद की गई हैं। यह कार्रवाई मेंढर उपविभाग के बलनोई सेक्टर में तलाशी अभियान के दौरान की गई।

इस बीच, सीमावर्ती जिले राजौरी में आतंकी गतिविधियों को रोकने के लिए सुरक्षा एजेंसियों ने अपनी मुस्तैदी बढ़ा दी है। राजौरी के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रणदीप कुमार की अध्यक्षता में हुई एक बैठक में आतंकवादियों पर नजर रखने और उनकी गतिविधियों को नाकाम करने के लिए एक व्यापक रणनीति तैयार की गई। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर घुसपैठ रोधी व्यवस्था को और मजबूत कर दिया है।

बीएसएफ के महानिरीक्षक अशोक यादव ने कहा कि सर्दियों से पहले घुसपैठ की कोशिशें बढ़ जाती हैं, लेकिन सुरक्षाबल पूरी तरह से तैयार हैं और किसी भी घुसपैठ के प्रयास को नाकाम कर देंगे। पुंछ के मनकोट सेक्टर में गश्त के दौरान सेना को एक जंग लगा मोर्टार का गोला मिला, जिसे बाद में विशेषज्ञों द्वारा नियंत्रित विस्फोट के माध्यम से नष्ट कर दिया गया। सुरक्षा बलों की इन कार्रवाइयों से क्षेत्र में आतंकवादियों के खिलाफ लड़ाई में एक बड़ी जीत मिली है।

श्रीलंकाई नौसेना ने पकड़े 12 भारतीय मछुआरे

चेन्नई , श्रीलंकाई नौसेना ने तमिलनाडु के निकट अंतर्राष्ट्रीय समुद्री सीमा रेखा (आईएमबीएल) के पास नेदुनथीवु इलाके के पास 12 भारतीय मछुआरों को गिरफ्तार कर लिया है। इन मछुआरों पर अंतर्राष्ट्रीय समुद्री सीमा को पार कर श्रीलंकाई इलाके में प्रवेश करने का आरोप है। यह मछुआरे तमिलनाडु के रहने वाले हैं। तमिलनाडु प्रदेश के मत्स्य विभाग के अधिकारियों ने बताया, मछुआरों को रविवार सुबह हिरासत में लिया गया और पूछताछ के लिए श्रीलंकाई नौसैनिक शिविर ले जाया गया है। श्रीलंकाई नौसेना ने पकड़े गए इन मछुआरों की मोटर नाव और मछली पकडने का साजो सामान भी जब्त कर लिया है। इसी साल 16 जून से अब तक श्रीलंकाई नौसेना ने सिर्फ तमिलनाडु के 425 मछुआरों को पकड़ा है और 58 नावों को जब्त किया है। पकड़े गए मछुआरों में लगभग 110 मछुआरे अभी भी श्रीलंका की हिरासत में हैं। इससे पहले 23 अक्टूबर को भी श्रीलंकाई नौसेना ने रामेश्वरम से 16 तमिल मछुआरों को गिरफ्तार किया था। इस गिरफ्तारी के बाद तमिलनाडु में विरोध प्रदर्शन हुए थे। इसके बाद मुख्यमंत्री एम.के.स्टालिन ने व्यक्तिगत रूप से केंद्रीय विदेश मंत्री एस.जयशंकर को पत्र लिखकर इस मामले में उनसे हस्तक्षेप करने की अपील करते हुए गिरफ्तार मछुआरों और उनकी नौकाओं की रिहाई सुनिश्चित करने का आग्रह किया है।

तमिलनाडु के मछुआरों के नेता के.एम. पलानीअप्पन ने आईएएनएस से बात करते हुए अपनी निराशा व्यक्त करते हुए कहा, रविवार को श्रीलंकाई नौसेना द्वारा 12 तमिल मछुआरों की गिरफ्तारी बेहद निंदनीय है। अब समय आ गया है कि केंद्र सरकार कार्रवाई करे, क्योंकि हमारे लोग समुद्र में मछली पकडने से डरने लगे हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री से मछुआरों और उनकी नौकाओं की तत्काल रिहाई के लिए केंद्र पर दबाव डालने का भी आग्रह किया। तमिलनाडु में डीएमके, एआईएडीएमके और पीएमके सहित राजनीतिक दल श्रीलंकाई नौसेना की कार्रवाई के कारण तमिल मछुआरों को होने वाली कठिनाइयों के बारे में चिंता जताते रहे हैं। ज्ञात हो कि पिछले वर्ष 1 अगस्त, 2023 को भी एक दुखद घटना तब घटी थी, जब श्रीलंकाई नौसेना की एक नाव कथित तौर पर एक मछली पकडने वाली नाव से टकरा गई। इस टक्कर से मछली पकडने वाली नाव पलट गई। इसमें एक मछुआरे, मलाइसामी (59) डूब कर मौत हो गई, जबकि दूसरा, रामचंद्रन (64) लापता हो गया। नाव पर सवार दो अन्य मछुआरे, मूकिया (51) और मुथु मुनियांदी (52) को श्रीलंकाई नौसेना ने गिरफ्तार कर लिया, लेकिन बाद में उन्हें भारतीय अधिकारियों को सौंप दिया गया।

मुंबई के बांद्रा टर्मिनस स्टेशन पर भगदड़, 10 यात्री घायल, 2 की हालत गंभीर

मुंबई ,मुंबई के बांद्रा टर्मिनस स्टेशन पर रविवार की दरमियानी रात भगदड़ मच गई। इस भगदड़ में 10 यात्री घायल हो गए। इनमें से दो की हालत गंभीर बनी हुई है। घटना देर रात दो बजे हुई। मुंबई से गोरखपुर जाने वाली ट्रेन जब प्लेटफार्म पर पहुंची तो ट्रेन में चढने की जल्दबाजी में भगदड़ मच गई। इस भगदड़ में कई यात्री जख्मी हो गए। इन सभी यात्रियों को इलाज के लिए भाभा अस्पताल में भर्ती कराया गया है।त्योहार के समय पर भारतीय रेल में भीड़ होना आम बात है। ऐसे में अक्सर हादसे की आशंका बनी रहती है। मुंबई में काम करने वाले लोग बड़ी संख्या में दीपावली के मौके पर अपने घर आते हैं। इनमें अधिकतर लोग उत्तर प्रदेश और बिहार के होते हैं। इसी वजह से गोरखपुर जा रही ट्रेन में चढने के लिए भगदड़ मची, जिसमें कई लोग घायल हो गए।

सुबह 5.10 पर ट्रेन के निकलने का समय

यह हादसा बांद्रा टर्मिनस के प्लेटफॉर्म नंबर एक पर हुआ। ट्रेन संख्या 22921, बांद्रा गोरखपुर एक्सप्रेस ट्रेन के निकलने का समय सुबह 5.10 बजे था, लेकिन ट्रेन प्लेटफॉर्म पर 2.55 बजे लग गई। ऐसे में यात्री जल्दी से ट्रेन में चढने की कोशिश करने लगे और इसी वजह से भगदड़ मच गई। इस भगदड़ में ही कई लोग घायल हुए हैं। घायलों की पहचान शबीर अब्दुल रहमान (40), परमेश्वर सुखदर गुप्ता (28), रवींद्र हरिहर चूमा (30), रामसेवक रवींद्र प्रसाद प्रजापति (29), संजय तिलकराम कांगे (27), दिव्यांशु योगेंद्र यादव (18), मोहम्मद शरीफ शेख (25), इंद्रजीत सहानी (19) और नूर मोहम्मद शेख (18) के रूप में की गयी है।

मुंबई—बिहार रूट पर स्पेशल ट्रेन चला रहा रेलवे

भारतीय रेलवे मुंबई से बिहार के रूट पर स्पेशल ट्रेन चला रहा है। यह ट्रेन दीपावली और छठ के त्योहार के समय होने वाली भीड़ के लिए चलाई जा रही है। यह ट्रेन मुंबई के लोकमान्य तिलक टर्मिनस से बिहार के रक्सौल के बीच चलाई जा रही है।

इसका संचालन दो जनवरी तक किया जाएगा। इस बीच यह ट्रेन कुल 18 चक्कर लगाएगी। मुंबई से रक्सौल के लिए ट्रेन संख्या 05586 है।

केंद्र सरकार का बड़ा कदम : हेलमेट बनाने वाली 162 कंपनियों के लाइसेंस रद्द

नई दिल्ली , सडक़ सुरक्षा को बढ़ावा देने के लिए केंद्र सरकार ने एक विशेष अभियान की शुरुआत की है, जिसमें टू–व्हीलर्स के लिए हेलमेट के मानकों को सख्त किया गया है। उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय ने जानकारी दी कि अब तक 162 हेलमेट निर्माताओं के लाइसेंस रद्द किए जा चुके हैं, जो भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) के नियमों का पालन नहीं कर रहे थे।

सरकारी अधिकारियों ने इस कार्रवाई को सडक़ सुरक्षा के लिए एक महत्वपूर्ण कदम बताया है, खासकर बाजार में घटिया सुरक्षात्मक उपकरणों की बढ़ती संख्या को देखते हुए। मंत्रालय के सचिव निधि खरे ने कहा, हेलमेट जीवन बचाते हैं, लेकिन केवल तब जब उनकी गुणवत्ता उच्च हो। जून 2021 में सडक़ परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय द्वारा लागू किए गए गुणवत्ता नियंत्रण आदेश के तहत, सभी हेलमेट के लिए बीआईएस प्रमाणन अनिवार्य कर दिया गया है।

अयोध्या आ रही फ्लाइट में बम की सूचना

लखनऊ में मैरियट समेत 10 बड़े होटलों को उड़ाने की धमकी

पटना ,उत्तर प्रदेश के अयोध्या से बड़ी खबर सामने आई है। यहां आकासा एयरलाइंस में बम होने की धमकी मिली है। जिसके बाद प्रशासन हाई अलर्ट पर है। इसी के साथ लखनऊमें कई होटलों को भी बम से उड़ाने की धमकी मिली है। ये धमकी ईमेल के जरिए भेजी गई है जिसमें धमकी देने वाले ने 55 हजार डॉलर (46,25,623 रुपये) की मांग की है। ये धमकी होटल फॉर्च्यून, होटल लेमन ट्री और होटल मैरियट समेत 10 बड़े होटलों को मिली है।

फ्लाइट में धमकी मिलने के बाद एयरपोर्ट अलर्ट मोड पर

जिस फ्लाइट में बम की """"धमकी मिली है, वह बेंगलुरुसे अयोध्या आ रही है। यह कुछ ही देर में लैंड करेगी। यहां एयरपोर्ट को अलर्ट किया गया है। महर्षि वाल्मीकि एयरपोर्ट को पूरी तरह अलर्ट कर दिया गया है। सुरक्षा की दृष्टि से सीआईएसएफ जवानों समेत पूरा स्टाफ पूरी तरह अलर्ट है। लैंड करने के बाद यात्रियों को सकुशल बाहर निकालने के साथ ही जांच की जाएगी।

10 होटलों को उड़ाने की धमकी

शहर के कुल 10 होटलों को ये धमकीभरा मेल आया है। इनमें होटल मैरियट, सराका होटल, पिकैडिली होटल, कम्फर्ट होटल विस्टा, फॉर्च्यून होटल, लेमन ट्री होटल, क्लार्क अवध होटल, होटल कासा, दयाल गेटवे होटल और होटल सिलवेट का नाम शामिल है।

1984 सिख दंगे में सज्जन कुमार की मुश्किल बढ़ी, कोर्ट ने स्वीकार की सीबीआई की याचिका

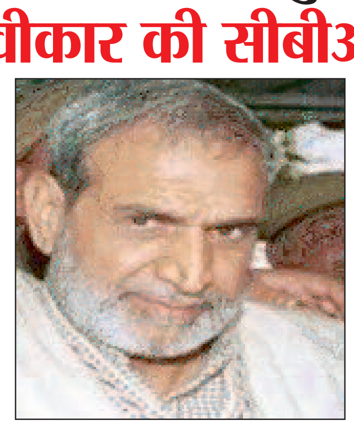

नई दिल्ली , साल 1984 के सिख विरोधी दंगों से संबंधित हत्या और दंगा मामले में पूर्व कांग्रेस सांसद सज्जन कुमार और अन्य को बरी करने के फैसले के खिलाफ सीबीआई की अपील याचिका दिल्ली हाई कोर्ट ने स्वीकार कर ली है। न्यायमूर्ति प्रतिबा एम सिंह व न्यायमूर्ति अमित शर्मा की पीठ ने 20 सितंबर, 2023 के ट्रायल कोर्ट के फैसले के खिलाफ जांच एजेंसी को अपील करने की अनुमति दी। साथ ही मामले को दिसंबर माह में विचार के लिए सूचीबद्ध कर दिया। अपील करने की अनुमति एक अदालत द्वारा किसी पक्ष को हाई कोर्ट में फैसले को चुनौती देने के लिए दी गई एक औपचारिक अनुमति है। अपील दायर करने की अनुमति देते हुए पीठ ने कहा कि अपील करने के लिए सीबीआई की अनुमति दी जानी चाहिए। साथ ही अदालत ने बरी करने के आदेश के खिलाफ मामले में पीड़िता शीला कौर की अपील को भी स्वीकार करते हुए सज्जन कुमार समेत अन्य आरोपितों के खिलाफ 1984 के दंगों से संबंधित किसी भी अन्य अपील के अस्तित्व पर एक रिपोर्ट पेश करने का हाई कोर्ट रजिस्ट्री को निर्देश दिया। 20 सितंबर, 2023 को राउज एवेन्यू की विशेष न्यायाधीश गीतांजलि गोयल ने कुमार ने संदेह का लाभ देते हुए सज्जन कुमार समेत अन्य को बरी कर दिया था। अदालत ने कहा कि था कि अभियोजन पक्ष उचित संदेह से परे आरोपितों के खिलाफ आरोप साबित करने में विफल रहा। सज्जन कुमार के साथ ही ट्रायल कोर्ट ने दो अन्य आरोपितों वेद प्रकाश पियाल और ब्रह्मानंद गुप्ता को भी बरी कर दिया था। सिख विरोध दंगा के दौरान सुल्तानपुरी में सुरजीत सिंह की हत्या हुई थी।

हिमाचल में बड़ा हादसा, 700 मीटर गहरी खाई में गिरी कार, शादी से लौट रहे 5 युवकों की मौत

मंडी ,हिमाचल के मंडी जिला में एक दर्दनाक हादसा हुआ है। मंडी की चौहारघाटी के वरधाण में एक कार गहरी खाई में जा गिरी। जानकारी के अनुसार इस हादसे में कार में सवार 5 युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान राजेश, गंगू, कर्ण, सागर और अजय के रूप में हुई है। जिनमें एक युवक करीब 16 साल और अन्य 4 की उम्र 25 से 30 वर्ष के बीच में बताई जा रही है। यह हादसा देर रात को हुआ। कार में सवार सभी युवक धमच्याण गांव के रहने वाले हैं। जो बरोट में शादी समारोह में गए थे। देर रात को वापस घर लौटते बार यह हादसा हो गया। हादसे का पता रविवार सुबह चला जब एक भेड़पालक ने सडक़ से करीब 700 मीटर नीचे खेतों में गिरी कार देखी।

सलमान को अगर कुछ हुआ तो लारेंस बिश्नोई तुम्हारी खैर नहीं, युवक ने दी गैंगस्टर को चेतावनी

रायबरेली ,रायबरेली के रहने वाले एक शख्स का वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है। वीडियो में युवक लॉरेंस बिश्नोई को जान से मारने की धमकी देता नजर आ रहा है। वीडियो में वह कह रहा है कि सलमान खान को अगर कुछ हुआ तो लारेंस बिश्नोई तुम्हारी खैर नहीं। मैंने मुंबई में अपने बीस हजार शूटर छोड़ रखे हैं। मीडिया रिपोर्टस की मानें तो 37 सेकंड का यह वीडियो लालगंज कोतवाली क्षेत्र के दीपेमऊ सोहावल गांव के निवासी युवक द्वारा मुम्बई में रिकॉर्ड किया गया है। वीडियो के आधार पर पुलिस अब जांच पड़ताल में जुटी हुई है। स्थानीय पुलिस की मानें तो यह युवक इन दिनों मुंबई से आकर जिले में ही रह रहा है। बताया जा रहा है कि पुलिस उसकी तलाश में छापेमारी कर रही है। उसने वीडियो में कहा, लारेंस बिश्नोई दो हजार शूटर तुम्हारे तैयार हैं, तो पांच हजार शूटर मैंने भी मुंबई में भेज रखे हैं। तुम्हारी खैर नहीं। तुम्हारे शूटरों की भी खैर नहीं। तुम्हारा एक भी शूटर मुंबई से बचकर नहीं जाएगा। पांच हजार शूटर इमरान भाई ने भी लगा दिए हैं। लारेंस बिश्नोई तुम्हारी खैर नहीं। तुम्हारी तो जेल में ही हत्या होगी। सलमान भाई को कुछ हुआ, तो तुम्हारे लिए ठीक नहीं होगा लारेंस बिश्नोई नहीं बचेगा। तुम्हारे पास जितने भी शूटर हैं, मैं उससे दोगुने तुमको मारने के लिए लगा दूंगा। मेरे पार करीब बीस हजार शूटर हैं। लारेंस नहीं बचेगा। उल्लेखनीय है कि मुंबई में एनसीपी नेता बाबा सिद्दीकी की हत्या के मामले में भी लॉरेंस बिश्नोई गैंग का नाम सामने आया है। इस हत्याकांड में अब तक कई गिरफ्तारी हो चुकी हैं। फिल्म स्टार सलमान खान भी लॉरेंस बिश्नोई के निशाने पर माने जाते हैं।

सम्पादकीय

रतन टाटा ने दायित्व को बखूबी संभाला

जिस समय– रतन टाटा अपने ग्रुप के प्रमुख बने, भारतीय एवं विश्व अर्थव्यवस्था में नए युग की शुरुआत हो रही थी। नए तौर–तरीकों के अनुरूप अपने को आगे बढ़ाने की चुनौती दरपेश थी। रतन टाटा ने इस दायित्व को बखूबी संभाला। रतन टाटा ने प्रमुख उद्योगपति के रूप में अपनी मिली–जुली विरासत छोड़ते हुए दुनिया को अलविदा कहा है। जिस समय– यानी 1991 में वे टाटा ग्रुप के प्रमुख बने, भारतीय एवं विश्व अर्थव्यवस्था में नए युग की शुरुआत हो रही थी। नए दौर में पुराने तरीकों से कारोबार का माहौल सिकुड़ने लगा था। रतन टाटा ने टाटा ग्रुप की जिम्मेदारी जेआरडी टाटा से संभाली थी। जेआरटी टाटा इस ग्रुप को देश का सर्व प्रमुख उद्योग समूह बना चुके थे। लेकिन अभी उनके कार्यकाल में ही धीरुभाई अंबानी जैसे उद्योगपतियों की नई पीढ़ी तेजी से उभर रही थी। इससे टाटा ग्रुप के सामने नए उद्योगपतियों की नई दृष्टि और नए तौर–तरीकों के बरक्स अपने को संभालने और आगे बढ़ाने की चुनौती दरपेश थी। कहा जा सकता है कि रतन टाटा ने इस दायित्व को बखूबी संभाला। नए बने भूमंडलीकरण के वातावरण में वे टाटा समूह को बहुराष्ट्रीय कारोबार के दायरे में ले गए। हालांकि विदेशों में कोरस, लैंड रोवर और जगुआर जैसे समूहों को खरीदने का उनका दांव बहुत कामयाब नहीं रहा, लेकिन ये जोखिम लेकर टाटा समूह ने वैश्विक प्रतिस्पर्धा में कारोबार के महत्त्वपूर्ण अनुभव हासिल किए। नई टेक्नोलॉजी के बढ़ते प्रचलन से बने अवसर को उन्होंने समझा और टाटा ग्रुप को इन हाई टेक क्षेत्रों में कारोबार के लिए तैयार किया। अर्थव्यवस्था के साथ वित्तीयकरण की बढ़ती प्रवृत्तियों के बीच उन्होंने टाटा ग्रुप की निवेश प्राथमिकताएं बदलीं। बहरहाल, उत्तराधिकारी चुनने का प्रकरण विवादित रहा। उन्हें अपने ही चयन से चुनौतियां मिलीं। ऐसे प्रकरणों से टाटा ग्रुप की प्रतिष्ठा पर आंच आई। इसके अलावा रतन टाटा पर राजनीति में दखल देने के आरोप भी लगे। एनजीओ फंडिंग के जरिए सरकारी नीतियों को प्रभावित करने और मोनोपॉली पूंजीवाद के दौर में राजनीति में दखल देने की बढ़ी प्रवृत्तियों के बीच उनकी भूमिका भी विवादों में आई। मगर इस दौर में टाटा ग्रुप के कई प्रतिस्पर्धी उद्योग समूहों पर ऐसे हस्तक्षेप के कहीं अधिक संगीन आरोप लगे हैं। इनके बीच रतन टाटा ने मुख्य रूप से ऐसे उद्योगपति की अपनी छवि कायम रखी, जिसने उद्यम, जोखिम, निवेश और व्यापार के जरिए अपना वैश्विक प्रभाव कायम किया है।

कृषि क्षेत्र पर रोजगार की निर्भरता

कृषि पर रोजगार की निर्भरता घटना विकास की आम प्रक्रिया का हिस्सा है। उच्च शिक्षा में ऊंची भागीदारी और कंप्यूटर का अधिक उपयोग आज विकास के मूलभूत स्तंभ हैं। इन तीनों पैमानों पर कमजोर सूरत के साथ भारत आखिर कहां पहुंच सकता है? हाल में जारी आवधिक श्रम शक्ति सर्वेक्षण (पीएलएफएस) रिपोर्ट से यह चिंताजनक आंकड़ा सामने आया कि भारत में श्रमिकों का विपरीत विस्थापन हो रहा है। यानी बड़ी संख्या में मजदूर गैर–कृषि क्षेत्रों से वापस कृषि क्षेत्र में चले गए हैं। भारत सरकार की इस सर्वे रिपोर्ट के मुताबिक 2018–19 में देश में 42.5 प्रतिशत श्रमिक कृषि क्षेत्र पर आश्रित थे। 2023–24 में यह संख्या 46.1 प्रतिशत हो गई। दूसरी तरफ मैनुफैक्चरिंग एवं कंस्ट्रक्शन में लगभग समान संख्या में 11 से 12 प्रतिशत तक श्रमिकों को काम मिला हुआ है। इन दोनों क्षेत्रों में रोजगारशुदा कर्मियों की संख्या 2018–19 की तुलना में घट गई है। रिपोर्ट के अनुसार 2028–19 के बाद के पांच वर्षों में छह करोड़ 80 लाख मजदूर वापस कृषि क्षेत्र में लौट गए। स्पष्टतः इनमें बड़ी संख्या उन मजदूरों की होगी, जो कोरोना महामारी के समय अपने गांव चले गए थे। लेकिन उनका वहीं बने रहना यह बताता है कि महामारी के बाद अर्थव्यवस्था में रोजगार देने की पुरानी क्षमता लौटी नहीं है। गौरतलब है कि 2004–05 से 2018–19 के बीच छह करोड़ 60 लाख मजदूर कृषि क्षेत्र से दूसरे क्षेत्रों में काम करने गए थे। उसके बाद जो हालात बने, उसमें बात वापस 20 पहले वाले मुकाम पर पहुंच गई है। अब एक दूसरे सरकारी आंकड़े पर गौर करें।

टैक्स चोरी करने वालों की मौज

भारत सरकार की संस्था डीजीजीआई यानी डायरेक्टोरेट जनरल ऑफ जीएसटी इंटेलीजेंस की रिपोर्ट के मुताबिक वित्त वर्ष 2023–24 में जीएसटी की चोरी दो लाख करोड़ रुपए से ज्यादा हुई है। एक अन्य रिपोर्ट के मुताबिक अगर केंद्रीय जीएसटी में चोरी को जोड़ दें तो वित्त वर्ष 2023–24 की टैक्स चोरी 2.37 लाख करोड़ रुपए पहुंच जाएगी। यानी अगर सरकार साल में 20 लाख करोड़ रुपए का जीएसटी इकट्ठा करती है तो उसके 12 फीसदी के बराबर टैक्स चोरी होता है! यह आंकड़ा कितना बड़ा है इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि बिहार जैसे विशाल राज्य का सालाना बजट 2.62 लाख करोड़ का होता है। यानी बिहार के बजट के लगभग बराबर जीएसटी की चोरी हुई है।भारत सरकार का बजट 40 लाख करोड़ रुपए का है। जीएसटी की चोरी उसके लगभग छह फीसदी के बराबर है। इतनी बड़ी टैक्स चोरी हो रही है और सरकार को पता होने के बावजूद वह कुछ नहीं कर पा रही है! चोरी रोकने की बजाय सरकार इस उधेड़बुन में है कि कैसे कुछ और वसूली बढ़ाई जा सके। तभी जीएसटी को युक्तिसंगत बनाने या रेशनलाइज करने के लिए बने मंत्री समूह की बैठक हुई तो उसमें जो फैसले हुए उनको लेकर बताया गया कि इससे सरकार को 10 हजार करोड़ रुपए का अतिरिक्त टैक्स मिलेगा। यानी सारे उपाय अतिरिक्त टैक्स हासिल करने के ही हो रहे हैं।

अजीत द्विवेदी

किसी अज्ञात शायर का शेर है– विसाल ए यार से दूना हुआ इश्क, मर्ज बढ़ता गया ज्यों ज्यों दवा की। यही हुआ है भारत में बड़े धूम धड़ाके से आधी रात को संसद बुला कर शुरू किए गए अप्रत्यक्ष कर सुधार के कानून, वस्तु व सेवा कर यानी जीएसटी के साथ। जैसे जैसे कानून पुराना हो रहा है वैसे वैसे टैक्स चोरी भी बढ़ती जा रही है। गौरतलब है कि जिस तरह से आधी रात को आजादी की घोषणा हुई थी उसी तरह जुलाई 2017 में नरेंद्र मोदी सरकार ने आधी रात को संसद बुला कर जीएसटी कानून लागू करने का ऐलान किया था।

इस कानून को अप्रत्यक्ष कर से जुड़ी तमाम गड़बड़ियों के लिए एकमात्र उपाय के तौर पर प्रस्तुत किया गया। केंद्र ने कितनी ही मेहनत करके सभी राज्यों को इसके लिए तैयार किया कि वे कर वसूलने का अपना अधिकार छोड़ दें और यह काम केंद्र को करने दें। कहा गया कि यह 'एक देश, एक कर' की व्यवस्था है लेकिन हकीकत में यह एक देश, अनेक कर की पुरानी व्यवस्था का ही विस्तार है। वह एक अलग मसला है। कारोबारियों को हो रही समस्याएं भी एक बड़ा मसला है। लेकिन अगर सिर्फ टैक्स चोरी की बात करें तो यह कहने में कोई हिचक नहीं है कि जिस मकसद से इस कानून को लागू किया गया था वह पूरा नहीं हो पा रहा है।भारत सरकार की संस्था डीजीजीआई यानी डायरेक्टोरेट जनरल ऑफ जीएसटी इंटेलीजेंस की रिपोर्ट के मुताबिक वित्त वर्ष 2023–24 में जीएसटी की चोरी दो लाख करोड़ रुपए से ज्यादा हुई है। एक अन्य रिपोर्ट के मुताबिक अगर केंद्रीय जीएसटी में चोरी को जोड़ दें तो वित्त वर्ष 2023–24 की टैक्स चोरी 2.37 लाख करोड़ रुपए पहुंच जाएगी। यानी अगर सरकार साल में 20 लाख करोड़ रुपए का जीएसटी इकट्ठा करती है तो उसके 12 फीसदी के बराबर टैक्स चोरी होता है! यह आंकड़ा कितना बड़ा है इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि बिहार जैसे विशाल राज्य का सालाना बजट 2.62 लाख करोड़ का होता है। यानी बिहार के बजट के लगभग बराबर जीएसटी की चोरी हुई है।भारत सरकार का बजट 40 लाख करोड़ रुपए का है। जीएसटी की चोरी उसके लगभग छह फीसदी के बराबर है। इतनी बड़ी टैक्स चोरी हो रही है और सरकार को पता होने के बावजूद वह कुछ नहीं कर पा रही है! चोरी रोकने की बजाय सरकार इस उधेड़बुन में है कि कैसे कुछ और वसूली बढ़ाई जा सके। तभी जीएसटी को युक्तिसंगत बनाने या रेशनलाइज करने के लिए बने मंत्री समूह की बैठक हुई तो उसमें जो फैसले हुए उनको लेकर बताया गया कि इससे सरकार को 10 हजार करोड़ रुपए का अतिरिक्त टैक्स मिलेगा। यानी सारे उपाय अतिरिक्त टैक्स हासिल करने के ही हो रहे हैं।ऐसा नहीं है कि जीएसटी की चोरी में सिर्फ निजी या फर्जी कंपनियां शामिल हैं। सरकारी कंपनियां भी टैक्स चोरी कर रहे हैं या छिपा रही हैं। भारतीय जीवन बीमा निगम लिमिटेड जैसी बड़ी कंपनी को पिछले एक साल में टैक्स चोरी के अनेक नोटिस जा चुके हैं। बीमा कंपनियों के अलावा ई कॉमर्स कंपनियां, आईटी सेक्टर की कंपनियां, ऑनलाइन गेमिंग की कंपनियां, पान मसाला और गुटखा, सिगरेट बेचने वाली कंपनियां, सब टैक्स चोरी में शामिल हैं। ऑनलाइन गेमिंग कंपनियों ने ही एक साल में एक लाख 10 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा टैक्स की चोरी की है।बैंकिंग, फाइनेंशियल सर्विसेज एंड इश्योरेंस यानी बीएफएसआई भारत का सबसे संगठित सेक्टर है। जीएसटी की चोरी में यह सेक्टर दूसरे स्थान पर है। सोचें, देश का वित्तीय सेक्टर, जो इस समय आईटी के साथ साथ सबसे तेजी से बढ़ता सेक्टर है और जिसके क्लायंट की पूरी सूचना सेक्टर की कंपनियों के पास होती है वहां इतनी बड़ी मात्रा में टैक्स चोरी हो रही है?इतना बड़ा नेटवर्क खड़ा करने और इतना बड़ा तामझाम करने के बावजूद टैक्स चोरी कैसे हो रही है, यह समझना भी बहुत मुश्किल काम नहीं है। जिस तरह से पुराने सिस्टम में टैक्स चोरी होती थी उसी तरह इस सिस्टम में भी हो रही है। फर्जी इनवॉयस बना कर कंपनियां इनपुट टैक्स क्रेडिट सरकार से वसूल रही हैं। इसके लिए लोगों के आधार कार्ड चुरा कर फर्जी कंपनियां खड़ी की जा रही हैं और उन कंपनियों के नाम पर फर्जी इनवॉयस बनाए जा रहे हैं। डिजिटल और ई कॉमर्स से जुड़ी कंपनियां भारत में रजिस्ट्रेशन नहीं करा रही हैं वे विदेशी रजिस्ट्रेशन पर ही काम कर रही हैं।

इसी तरह ऑनलाइन प्लेटफॉर्म से मिलने वाली सेवाओं को गलत तरीके से वर्गीकृत किया जा रहा है और उनका टैक्स स्लैब घटा दिया जा रहा है। ऑनलाइन गेमिंग कंपनियां जुए की तरह लॉटरी वाले खेल चला रही हैं लेकिन उनको कौशल आधारित खेल की तरह पेश किया जा रहा है, जिससे सबसे ज्यादा टैक्स की चोरी हो रही है। इस सेक्टर में सबसे ज्यादा एक लाख 10 हजार करोड़ रुपए की टैक्स चोरी हुई है। उसके बाद बीएफएसआई सेक्टर है, जिसमें टैक्स चोरी हुई। इसके अलावा सरकारी टेंडर से मिलने वाले कार्यों में या इलेक्ट्रोनिक सामानों में या सिगरेट, पान, गुटखा, तंबाकू आदि की बिक्री में जम के टैक्स चोरी हो रही है।

सवाल है कि जब सरकार ने जीएसटी का पूरा सिस्टम ऑनलाइन किया और डिजिटल मॉनिटरिंग की व्यवस्था बनाई तो उन सबका क्या मतलब है अगर उनसे टैक्स चोरी नहीं रोकी जा रही है? वित्त वर्ष 2022–23 के मुकाबले 2023–24 में जीएसटी की चोरी दोगुनी हो गई। तो क्या इससे सरकार की नींद नहीं खुलनी चाहिए? लेकिन सरकार क्या कर रही है, वह कारण बताओ नोटिस जारी कर रही है, जिसका कोई असर नहीं हो रहा है। इस साल मार्च में खत्म हुए वित्त वर्ष में 1.64 लाख करोड़ रुपए की टैक्स चोरी के लिए करीब 24 सौ कारण बताओ नोटिस जारी किए गए।

इनके जरिए टैक्स चोरी करने वालों को एकमुश्त स्वैच्छिक टैक्स भुगतान से मामला सेटल करने का प्रस्ताव दिया गया। फिर भी करीब 13 हजार करोड़ रुपए की ही वसूली हो पाई। टैक्स चोरी के काम में शामिल लोगों और लाभार्थियों में से करीब डेढ़ सौ लोगों को गिरफ्तार किया गया लेकिन उसका भी कोई फायदा नहीं हुआ क्योंकि कोई मुकदमा आगे नहीं बढ़ा और बहुत से लोगों ने ऊपर की अदालतों से कार्रवाई पर रोक लगवा ली। सोचें, क्या कोई और सेक्टर हो सकता है, जिसमें एक साल में दो लाख करोड़ रुपए से ज्यादा की चोरी हो जाए और सरकार कुछ न कर पाए?

पिछले वित्त वर्ष हर महीने औसतन 1.68 लाख करोड़ रुपए जीएसटी वसूला गया। इसका मतलब है कि सरकार एक महीने में जितना टैक्स वसूलती है उससे बहुत ज्यादा एक साल में चोरी हो जाता है। ऐसे सिस्टम का क्या फायदा? आम आदमी जीएसटी चुका कर परेशान है। उसके ऊपर बेतरह बोझ डाला गया है। अच्छे और सच्चे कारोबारी इस वजह से परेशान हैं कि इस कानून में यह प्रावधान किया गया है कि बिल जेनरेट करते ही यानी किसी से भुगतान के लिए उसको बिल बना कर भेजते ही उस पर लगने वाला जीएसटी जमा करना होता है।

ईमानदार कारोबारी बिल बनाने के साथ ही जीएसटी जमा कर देता है लेकिन इस बात की कोई गारंटी नहीं होती है कि उसको समय से बिल का भुगतान हो जाए। उसका जीएसटी का पैसा महीनों, सालों फंसा रहता है और भुगतान नहीं होता है। सो, एक तरफ आम आदमी और ईमानदारी कारोबारी दोनों परेशान हैं तो दूसरी ओर टैक्स चोरी करने वालों की मौज हो गई है। वे हर साल टैक्स चोरी की रकम दोगुनी करते जा रहे हैं और सरकार का सारा सिस्टम कुछ नहीं कर पा रहा है।

मारे गए अधिकांश लोग रूसी बुद्धिजीवी ही थे

शंकर शरण

स्तालिन द्वारा देहातों पर इस उत्पीडऩ में कुल मिलाकर एक करोड़ से अधिक जानें गईं! यह सब यूरोपीय बुद्धिजीवियों को बिलकुल पता न था। वे केवल 1930 के दशक में रूस में दिखावटी मुकदमों के द्वारा मारे गये नेताओं, लेखकों, आदि 'द ग्रेट पर्ज' वाली कुख्यात बातें ही जानते थे। क्योंकि उन में मारे गए अधिकांश लोग रूसी बुद्धिजीवी ही थे।(यह लेख प्रोफेसर गैरी साउल मॉरसन द्वारा जून 2024 में लिखी गई समीक्षा 'द मास्टरपीस ऑफ अवर टाइम' पर आधारित है।) आज से पचास वर्ष पहले, रूसी लेखक अलेक्सांद्र सोल्झेनित्सिन का महान ग्रंथ 'गुलाग आर्किपेलाग 1918 झ 1956ः साहित्यिक पड़ताल का एक प्रयोग' का अंग्रेजी अनुवाद छपना एक सनसनीखेज घटना थी। गु.लाग. यानी सोवियत रूस में 'सुधार श्रम शिविरों का मुख्य निदेशालय' के नाम का संक्षिप्त नाम रूप। आर्किपेलाग यानी पूरे सोवियत संघ में बिखरे, मगर छिपे द्वीपों जैसे उन श्रम–यातना शिविरों का एक पूरा जाल। 'गुलाग आर्किपेलाग' उन्हीं शिविरों की सच्चाई का एक विराट विवरण था। उस ग्रंथ ने सोवियत समाजवाद की छवि को मानो एक विस्फोट से ध्वस्त कर दिया। बल्कि एक ऐसी लोमहर्षक सच्चाई दिखाई कि सारी दुनिया में लोग सिहर उठे! उस के बाद किसी वामपंथी बुद्धिजीवी के लिए भी समाजवाद और सोवियत संघ के प्रति पहले जैसा भावुक लगाव रखना संभव न रहा। फ्रांस में संपूर्ण विमर्श की धारा बदल गई, जहाँ समाजवाद सब से अधिक प्रभावी बौद्धिकता थी। अमेरिका में भी वियतनाम युद्ध की छाया में माओ, हो ची मिन्ह, फिडेल कास्त्रो, आदि के प्रति बढ़ता नव–वामपंथी ज्वार एकाएक थम गया।'गुलाग आर्किपेलाग' की गवाही इतनी विस्तृत, प्रमाणिक और सशक्त थी। तीन खंडों, सात भागों, बयालीस अध्यायों, और लगभग दो हजार पृष्ठों में लिखा यह ग्रंथ सोवियत कम्युनिज्म के अड़तीस वर्षों, 1918 से 1956 का हृदयविदारक चित्र है। इस महागाथा को सोल्झेनित्सिन ने एक–एक शब्द और चिन्ह तक मानो नाप–तौल कर लिखा है। वस्तुतः गत शताब्दी बीतने पर 'टाइम' मैगजीन ने उसे पूरे विश्व में बीसवीं शताब्दी की सब से महत्वपूर्ण साहित्येतर (नॉन–फिक्शन) पुस्तक माना था। तब उसे 'साहित्यिक' कहने से सोल्झेनित्सिन का क्या आशय था? इस के उत्तर में उस की क्लासिक महानता का रहस्य छिपा है। साथ ही, उस ग्रंथ को पढ़े बिना सोवियत कम्युनिज्म की पूरी सच्चाई नहीं समझी जा सकती। उस के प्रकाशन से पहले भी यूरोपीय बुद्धिजीवियों को सोवियत संघ में दमन, उत्पीडऩ की जानकारी थी। पर वे उसे दशकों पहले की बात, स्तालिन युग की बीती चीज समझते थे। इस ग्रंथ के आने पर वे जानकर स्तब्ध रह गये कि विकट गोपनीयता से ही उसे लिखा जा सका, जिसे टुकड़े–टुकड़े अलग–अलग व्यक्तियों, स्थानों पर छिपा कर रखा जाता था ताकि सोवियत पुलिस के छापे में पूरी पांडुलिपि न चली जाए। उसे किसी तरह तस्करी से बाहर भेज कर, विदेश में ही छपाया जा सका झ यह पश्चिमी बुद्धिजीवियों के लिए हैरत की बात थी। बल्कि लेखक भी कभी उस की पूरी पांडुलिपि इकट्ठा सामने रखकर पूर्ण परिष्कृत रूप नहीं दे सका, जिस के लिए उस ने पाठकों से क्षमा भी माँगी थी। सोल्झेनित्सिन के शब्दों में, उस में जहाँ–तहाँ आकस्मिक शुरुआत, अधूरापन, हमारे साहित्य के उत्पीडऩ के ही चिन्ह हैं। पर अंततः उस कमी ने भी उस पुस्तक के सौंदर्य में वृद्धि ही की। उस का संप्रेषण मौलिक बना दिया। उस से पहले, 1965 ई. में सोल्झेनित्सिन की एक अन्य पांडुलिपि तथा बहुत से अभिलेख एक छापे में जा चुके थे। इसलिए 'गुलाग' की पांडुलिपि पर सोल्झेनित्सिन ने अत्यधिक सावधानी रखी थी। इसलिए और भी, क्योंकि उस में असंख्य लोगों के असली नाम और स्थान दर्ज थे जिन्होंने अपनी बीती और? देखी सोल्झेनित्सिन को बताई थी। तब रूस में साहित्य का दमन ही नहीं था, लिखना मात्र एक खतरनाक गतिविधि थी। न केवल लेखकों के लिए, बल्कि किसी के लिए भी। किसी को लिखी गई चिट्ठी, उस में कोई संदिग्ध मुहावरा, मामूली शिकायत भी किसी को दस–बीस साल के लिए यातना शिविर में भेज दिए जाने का आधार बन सकता था।

यह सब पश्चिमी बुद्धिजीवियों के लिए अविश्वसनीय बात थी। वे समझते थे कि जैसे जारशाही रूस में किसी लेखक को दंड मिलता था, साइबेरिया भेज दिया जाता था, आदि, वैसा ही कुछ होता होगा। उन के लिए स्थाई उत्पीडऩ का अधिकतम मॉडल जारशाही था। इसीलिए, अपनी पुस्तक में सोल्झेनित्सिन ने जारशाही की जेलों, कानूनों और सोवियत संघ के सामान्य जनजीवन, कानूनों की तुलना को भी काफी स्थान दिया है। जिसे पढऩे के बाद जार को उत्पीडक़ कहने पर हँसी आ जाती है।

संख्या को ही लीजिएः सन् 1876 से 1904 तक रूस में आम हड़ताल, किसान विद्रोह, और आतंकवाद का दौर था, जिस में जार अलेक्सांद्र द्वितीय और अन्य उच्चाधिकारियों की हत्या भी हुई थी। तब इस दौरान कुल 486 लोगों को फाँसी दी गई। यानी पूरे रूस में प्रति वर्ष सत्रह लोग फाँसी पर चढ़ाए गये थे। जिन में सामान्य, गैर–राजनीतिक अपराधी भी शामिल थे। सन् 1905 के विद्रोह में यह पराकाष्ठा पर पहुँचा, जिस पर लेव टॉल्स्टॉय और कोरोलेन्को जैसे महान रूसी लेखकों ने आँसू बहाए और शासन को कोसा था। सो, 1905 से 1908 के बीच 2200लोगों को फाँसी दी गई। जिसे उस समय के लोगों ने फाँसी की महामारी जैसी माना था। उस की तुलना में, सोवियत न्यायिक हत्याओं चाहे गोली मार कर, जबरन भुखमरी थोप कर, या शून्य से नीचे तापमान पर कठोर काम करवाने के परिणामस्वरूप शासन के हाथों ऐसी हत्याओं के आँकड़े करोड़ों में जाते हैं। इन हत्याओं में सब से भयावह बात यह थी कि उन दंडित मृतकों में किसी का स्वयं कोई भूल या अपराध करना भी जरूरी न था। सन् 1918 में ही, यानी कम्युनिस्ट शासन के पहले ही वर्ष में चेका (खुफिया पुलिस) के नेता मार्तिन इवानोविच लात्सिस ने क्रांतिकारी अदालतों को सरसरी फैसले देने का निर्देश दिया था, जिस में हर अभियुक्त पर अलग–अलग सुनवाई कर दोषी या निदोष देखने की कोई जरूरत नहीं थी। केवल उस का वर्ग देखना काफी था, अर्थात यदि कोई पकड़ा गया व्यक्ति कुलक (भूस्वामी) या व्यापारी वर्ग का है तो उसे अपराधी मानने के लिए यही पर्याप्त है। लात्सिस ने गर्व से बताया था, यही लाल आतंक का अर्थ है। इस आधार पर, पचास लाख से अधिक लोगों को बिना रसद या औजार के बंजर, शून्य से बहुत नीचे तापमान वाले बर्फीले इलाकों में अपनी मौत मरने भेज दिया गया। । यह सब कोई मार्क्स–लेनिन के सिद्धांतों से विचलन भी नहीं था। नई कम्युनिस्ट सत्ता के प्रमुख लेनिन ने ही कहा था, किसी वयापारी को उदाहरण के लिए फाँसी देकर लटका दो क्योंकि व्यापारी और बदमाश एक ही चीज है। सो, स्तालिन और दूसरे लेनिनपंथी बोल्शेविकों ने इसी सिद्धांत को पूरे विस्तार से लागू किया था। कुलकों के बाद यही दंड कई समुदायों को भी मिला, केवल इसलिए क्योंकि वे रूसी होते हुए भी जर्मन, क्रीमीयाई तातार, पोलिश, कोरियाई, यहूदी, आदि मूल से आते थे। उन्हें थोक में उजाड़ कर दूर भेज दिया गया था। इस नाम पर कि वे? कभी विदेशियों से सहायता लेकर गड़बड़ी कर सकते हैं। इसी तरह, 'कुलकों के सफाए' के बाद मामूली किसानों को भी जबरन अकाल में डाला गया। उक्रेन जैसे अनाज उत्पादक इलाकों में सारा अनाज सरकार ने जबरन ले लिया, नदियों में मछली मारने पर भी पाबंदी लगाई गयी। जिस से अगले कुछ महीनों में स्थानीय आबादी का खासा हिस्सा भूख से मर गया। शहरों से आए आदर्शवादी बोल्शेविक युवकों ने आकर देहातों में इस जबरिया अकाल को लागू किया। वे समझते थे कि नये वर्गहीन समाज के निर्माण के लिए कई वर्गों का खात्मा करना ठीक है। स्तालिन द्वारा देहातों पर इस उत्पीडऩ में कुल मिलाकर एक करोड़ से अधिक जानें गईं! यह सब यूरोपीय बुद्धिजीवियों को बिलकुल पता न था। वे केवल 1930 के दशक में रूस में दिखावटी मुकदमों के द्वारा मारे गये नेताओं, लेखकों, आदि 'द ग्रेट पर्ज' वाली कुख्यात बातें ही जानते थे।

विक्रांत मैसी की फिल्म द साबरमती रिपोर्ट का टीजर रिलीज, गोधरा कांड का असली सच अब आएगा सामने!

27 फरवरी 2002 को गुजरात के गोधरा रेलवे स्टेशन पर हुई घटना पर बनी फिल्म द साबरमती रिपोर्ट का टीजर फाइनली सामने आ गया है. जिसमें 12वीं फेल एक्टर विक्रांत मैसी और राशि खन्ना जर्नलिस्ट के किरदार में हैं और इस घटना की गुत्थी सुलझाते हुए नजर आ रहे हैं. इस स्टेशन पर साबरमती एक्सप्रेस में आग लग गई थी जिसमें अयोध्या से लौट रहे कई तीर्थ यात्रियों की जान चली गई थी.टीजर की शुरुआत कोर्ट रुम से होती है जहां विक्रांत इस घटना के लिए जिम्मेदार लोगों से सार्वजनिक माफी की मांग करते हैं. ब्रैकग्राउंड में नरेटर कहता है हर देश के इतिहास में एक ऐसा वक्त आता है जो सबकुछ बदल देता है. अमेरिका के लिए वो 9/11 था. और भारत के लिए वैसा ही एक वक्त दस्तक देने वाला था. जिसके बाद 27 फरवरी 2002 को हुई साबरमती घटना की झलक दिखाई जाती है. टीजर में विक्रांत के डायलॉग वाकई कमाल के हैं. साबरमती घटना की झलक दिखाने के बाद विक्रांत का एक डायलॉग है जिसमें वे कहते हैं, गोधरा का सच खाके बैठ गए, एक दिन देश का बच्चा बच्चा जवाब मांगेगा तुमसे. जिसके बाद राशि का डायलॉग है, इस देश के लोगों में गुस्सा भरा हुआ है, एक चिंगारी लगेगी और लाखों घर जलेंगे. टीजर के आखिर में विक्रांत का कोर्ट रुम में एक सीन है जिसमें वे कहते हैं, हमारा देश विश्व की सबसे बड़ी डेमोक्रेसी है जज साहब, आज का हिंदुस्तान जवाब देना भी जानता है और सवाल पूछना भी जानता है.

जुड़वा बहनों की दमदार कहानी है दो पत्ती, इमोशन्स और सस्पेंस से भरपूर फिल्म के संवाद जबरदस्त

दो पत्ती आज रिलीज हो चुकी है। फिल्म की कहानी जुड़वा बहनों सौम्या और शैली के घर से शुरू होती है, जिनकी मां के गुजर जाने के बाद उनकी जिंदगी बदल जाती है। सौम्या पीटीएसडी (पोस्ट ट्रॉमेटिक स्ट्रेस डिसऑर्डर) से पीड़ित है जबकि शैली उसे गलत समझती है, जिससे दोनों बहनों के बीच दरार आ जाती है। फिल्म में कृति सेनन ने डबल रोल किया है।

कहानी में मोड़ तब आता है, जब सालों बाद ध्रुव सूद, सौम्या की लाइफ में आता है और उसे नई उम्मीद देता है, जबकि शैली, सौम्या की जिंदगी बर्बाद करने की कसम खाती है। कहानी बढ़ती है तो ध्रुव शैली को धोखा देकर सौम्या से शादी कर लेता है। लेकिन क्या शैली, सौम्या और ध्रुव को खुशी–खुशी रहने देगी? क्या कंट्रोल से बाहर होती जिंदगियां पटरी पर लौटेंगी? ये सब कुछ दो पता चलेगा दो पत्ती देखने के बाद!

काजोल की फिल्म में पुलिस अधिकारी के तौर पर एंट्री होती है। काजोल के लिए यह केस जीवन का सबसे पेचीदा साबित हो जाता है। ऐसे में दर्शक वास्तव में सोच में पड़ जाएंगे कि क्या वह सबसे पेचीदा मामले को सुलझा पाएंगी। शशांक चतुर्वेदी निर्देशित और कनिका ढिल्लों की लिखी और निर्मित इस फिल्म में रहस्य, सम्मोहन और आश्चर्य समेत सभी तत्व सही जगह पर हैं। स्क्रीन से चिपके दर्शक सोच में पड़ जाएंगे अब आगे क्या? जैसे–जैसे फिल्म क्लाइमेक्स की ओर बढ़ती है, अप्रत्याशित मोड़ हैरान कर देते हैं। फिल्म को बेहतरीन सीन्स, कैमरा वर्क और बैकग्राउंड स्कोर के साथ अच्छी तरह से बनाया गया है। फिल्म का रांझणा गाना दर्शकों की प्लेलिस्ट में शामिल हो चुका है।

इसमें कोई शक नहीं है कि कृति सेनन ने दो पत्ती में अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ भूमिका निभाई है। फिल्म में उनका डबल रोल वास्तव में काबिल–ए–तारीफ है।

दलपति 69 से जुड़ीं प्रियामणि, पहली बार विजय के साथ स्क्रीन पर मचाएंगी धमाल

दलपति 69 साउथ सुपरस्टार विजय की राजनीति में प्रवेश से पहले आखिरी फिल्म होगी। द गोट की रिलीज के कुछ ही दिनों बाद विजय की अगली फिल्म की स्टारकास्ट को लेकर बैक–टू–बैक अपडेट सामने आ रहा है। फिल्म का निर्माण केवीएन प्रोडक्शंस कर रहा है। बीते दिन विजय की फिल्म से बॉबी देओल और पूजा हेगड़े के जुड़ने की जानकारी मिली। वहीं, अब नई रिपोर्ट ने प्रशंसकों के उत्साह को और ज्यादा बढ़ा दिया है। निर्माताओं ने पोस्ट कर जानकारी दी है कि प्रियामणि भी फिल्म दलपति 69 का हिस्सा बन गई हैं।

प्रोडक्शन हाउस ने फिल्म दलपति 69 से प्रियामणि का पोस्टर साझा कर इस खबर की आधिकारिक घोषणा की है। इसके साथ उन्होंने नोट में लिखा, दलपति 69 परिवार में प्रियामणि का आधिकारिक तौर पर स्वागत करते हुए खुश हैं। फिल्म से प्रियामणि के जुड़ाव ने प्रशंसकों के उत्साह को और ज्यादा बढ़ा दिया है।

गेंद के घूमने पर इंग्लैंड की टीम असमंजस में पड़ी: हुसैन

नई दिल्ली, पाकिस्तान में इंग्लैंड की 2–1 से टेस्ट सीरीज़ हार पर विचार करते हुए, पूर्व कप्तान नासिर हुसैन ने कहा कि बेन स्टोक्स की अगुआई वाली टीम स्पिन और पकड़ी हुई गेंदों का सामना करते समय बल्ले और गेंद दोनों से थोड़ी खोई हुई दिखी। रावलपिंडी में तीसरे टेस्ट के तीसरे दिन, इंग्लैंड 112 रन पर आउट हो गया, क्योंकि पाकिस्तान ने आखिरकार 36 रनों का पीछा करते हुए नौ विकेट से मैच जीत लिया और 2021 के बाद से अपनी पहली घरेलू सीरीज़ जीत हासिल की। मुल्तान में सपाट पिच पर सीरीज़ का पहला मैच जीतने के बाद इंग्लैंड 1–0 से आगे था, लेकिन स्पिन की अनुकूल परिस्थितियों में अगले दो मैच हार गया। यह बिल्कुल स्पष्ट है कि जब पिच सपाट होती है और वे लाइन के पार हिट कर सकते हैं, तो इंग्लैंड शानदार क्रिकेट खेलता है और अजेय हो सकता है। लेकिन जैसे ही पिच घूमती है और पकड़ती है, वे बल्ले और गेंद दोनों से थोड़े खोए हुए दिखते हैं।

रोहित–विराट जैसे सीनियर्स की भी दीवाली छुट्टी कैंसिल!

नईदिल्ली, न्यूजीलैंड के साथ खेली जा रही टेस्ट सीरीज में टीम इंडिया हार गई है. अब सीरीज का तीसरा व आखिरी मैच 1 नवंबर से खेला जाने वाला है. इस बीच सूत्रों के हवाले से खबर सामने आ रही है कि टेस्ट सीरीज हारने के बाद भारतीय टीम मैनेजमेंट काफी स्ट्रिक्ट हो गया है और 30–31 अक्टूबर को प्रैक्टिस सेशन अटैंड करना सभी के लिए कंपलसरी कर दिया गया है. ऐसे में दीवाली पर रोहित शर्मा और विराट कोहली सहित पूरी टीम प्रैक्टिस करेगी, किसी को भी आराम नहीं दिया जाएगा.

भारत और न्यूजीलैंड के बीच तीसरा टेस्ट मैच 1 नवंबर को शुरू होगा. मगर, इससे पहले 2 दिन टीम इंडिया के ट्रेनिंग सेशन होंगे, जिसमें मैनेजमेंट का मैसेज क्लीयर है कि सभी को इसमें शामिल होना जरूरी है. बताया जा रहा है कि रोहित शर्मा और विराट कोहली सहित किसी भी खिलाड़ी को ट्रेनिंग सेशन मिस करने की इजाजत नहीं है. यानी किसी भी खिलाड़ी को दीवाली के दिन भी आराम नहीं मिलने वाला है.

सूत्र का कहना है कि, टीम मैनेजमेंट ने खिलाडि़यों को 30 और 31 अक्टूबर को 2 दिन की प्रैक्टिस के लिए उपस्थित रहने के लिए कहा है. यह अनिवार्य है और कोई भी इसे छोड़ नहीं सकता.

भारत और न्यूजीलैंड के बीच खेली जा रही टेस्ट सीरीज का तीसरा व आखिरी मैच 1 नवंबर को मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में खेला जाएगा. इस मैच में भारत जीत दर्ज कर सीरीज को 1–2 पर खत्म करना चाहेगी. हां, यदि भारत इस मैच को जीतता है, तो कहीं ना कहीं अपकमिंग बॉर्डर–गावस्कर सीरीज के लिए टीम में कॉन्फिडेंस आएगा.

1 नवंबर से शुरू होगा भारत–न्यूजीलैंड के बीच तीसरा टेस्ट मैच

नईदिल्ली, भारत और न्यूजीलैंड के बीच खेली जा रही टेस्ट सीरीज का तीसरा व आखिरी मुकाबला मुंबई में खेला जाएगा. इस सीरीज में भारतीय टीम 0–2 से हार चुकी है. मगर, आखिरी मैच में जीत हासिल कर सीरीज को 1–2 के साथ खत्म करना चाहेगी. तो आइए आपको इस मैच से जुड़ी सभी छोटी–बड़ी जानकारी के बारे में बताते हैं. न्यूजीलैंड के हाथों टेस्ट सीरीज में मिली हार के बाद अब भारतीय मैनेजमेंट ने रख्त रुख अपनाया है. दोनों टीमों के बीच तीसरा टेस्ट मैच 1 नवंबर से शुरू होने वाला है. मगर, इससे पहले टीम इंडिया के लिए 2 दिन का ट्रेनिंग सेशन रखा गया है, जिसमें मैनेजमेंट का मैसेज क्लीयर है कि सभी को इसमें शामिल होना जरूरी है.बताया जा रहा है कि रोहित शर्मा

और विराट कोहली सहित किसी भी खिलाड़ी को ट्रेनिंग सेशन मिस करने की इजाजत नहीं है. यानी किसी भी खिलाड़ी को दीवाली के दिन भी आराम नहीं मिलने वाला है. भारत और न्यूजीलैंड के बीच खेली जा रही 3 मैचों की टेस्ट सीरीज अब तक निराशाजनक रही है. बेंगलुरु में मिली हार के बाद उम्मीद थी कि टीम इंडिया वापसी करेगी और पुणे में जीत हासिल करेगी. लेकिन, दूसरे टेस्ट में भी भारत को हार का सामना करना पड़ा. नतीजन, अब टीम इंडिया सीरीज हार चुकी है.अब इस सीरीज का आखिरी मैच मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में 1 नवंबर से खेला जाएगा, जिसका इंतजार क्रिकेट फैंस बेसब्री से कर रहे हैं. उम्मीद है कि भारत उस मैच को जीतकर सीरीज में मजबूत वापसी करेगा. न्यूजीलैंड के हाथों टेस्ट सीरीज हारने के बावजूद फिलहाल भारतीय टीम वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप की अंक तालिका में नंबर–1 पर काबिज है.लेकिन, अब यदि टीम इंडिया तीसरा टेस्ट जीतने में नाकाम होती है, तो उसके लिए वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंचना मुश्किल हो जाएगा.

एक नजर

बढ़ रहा बंदरों का आतंक, निजात की मांग

जयन्त प्रतिनिधि।
पौड़ीः शहर में बंदरों के आतंक से निजात दिलाने सहित विभिन्न समस्याओं के समाधान की मांग को लेकर संयुक्त जन मोर्चा के सदस्यों ने नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा। मोर्चा की संयोजक सरिता नेगी ने कहा कि शहर में बंदरों के आतंक से लोग परेशान हैं। बंदर खाने की तलाश में लोगों के घरों में घुसकर हमला कर रहे हैं। उन्होंने पौड़ी गांव में नाली चौक और द्वारीखाल से एसएसपी आवास, देवीखाल के नीचे पड़े कूड़े की सफाई और झाड़ी कटान करने की मांग उठाई। ईओ शांति प्रसाद जोशी ने समस्याओं के समाधान का आश्वासन दिया। इस मौके पर तस्लीम जावेद सिद्दीकी, त्रिलोक सिंह रावत, सिद्धिलाल, अजीजुल वाहिद सिद्दीकी, देवेश्वरी देवी, नागेश्वरी देवी, शकुंतला देवी आदि शामिल रहे।

दीपोत्सव की तैयारियां शुरू

चमोली। विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल 30 अक्तूबर को कर्णप्रयाग के मुख्य बाजार शिवालय में सामूहिक दीपोत्सव कार्यक्रम करेगा। इस दौरान शिवालय में तथा मुख्य चौराहे पर दीप प्रज्वलित कर आतिशबाजी तथा भजन कीर्तन, हनुमान चालीसा का पाठ किया जाएगा। आयोजकों ने बैठक आयोजित कर लोगों से कार्यक्रम सफल बनाने को कहा है। बैठक में चिंतामणि सेमवाल, प्रताप लूथरा, भास्कर डिमरी, नरेश डिमरी, सलिल डिमरी, जनार्दन चमोला, सतीश सेमवाल, राजू जुयाल, केएल शाह, सूरज नेगी, सुभाष बहुगुणा, आशीष थपलियाल, प्रफुल्ल आदि उपस्थित रहे।

नितिन रावत बने वाणिज्य परिषद के अध्यक्ष

चमोली। पीजी कॉलेज कर्णप्रयाग के वाणिज्य विभाग में परिषद का गठन कर नितिन रावत अध्यक्ष, नितिशा बिष्ट उपाध्यक्ष, आयुष सचिव, आदित्य चौहान सहसचिव और रिया थपलियाल को कोषाध्यक्ष पद पर नियुक्त किया गया क इस दौरान वाणिज्य विषय में रोजगार के अवसर विषय पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें सारिका प्रथम, नितिन रावत द्वितीय व शिवानी खत्री तृतीय रहे। प्राचार्य प्रो. वीएन खाली ने चुने गए पदाधिकारियों को मेडल पहनाकर सम्मानित किया। वाणिज्य विभाग प्रभारी डॉ. हरीशचंद्र रतूड़ी, दीप सिंह, नेतराम गौतम, तरुण कुमार ने भाषण प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कार वितरण किया।

विधायक से की बंदरों की निजात दिलाने की मांग

नई टिहरी। भाजपा कार्यकर्ताओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मन की बात विधायक किशोर उपाध्याय के नेतृत्व में नगर क्षेत्र के बूथ संख्या 103 में सुनी। मन की बात के बाद विधायक ने स्थानीय महिलाओं के साथ बैठक कर उनकी समस्याएं सुनीं।

महिलाओं ने बंदरों की समस्या से अवगत कराया। बताया कि आए दिन बंदर बच्चों, बूढ़ों पर हमला कर रहे हैं। जिस कारण नगर क्षेत्र के कई मोहल्लों में लोगों में दहशत बनी हुई है। विधायक ने डीएम और डीएफओ से फोन पर वार्ता कर बंदरों की समस्याओं के निजात के लिए 15 नवंबर को स्थानीय जनप्रतिनिधियों के साथ बैठक करने को कहा।

अवैध शराब के साथ व्यक्ति गिरफ्तार

नई टिहरी, थाना घनसाली पुलिस ने अवैध शराब की बिक्री तथा दुकान में शराब परोसने के मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। थानाध्यक्ष संजीव थपलियाल ने बताया कि क्षेत्र में अवैध शराब की बिक्री पर अंकुश लगाने को लेकर एसएसपी के निर्देश पर थाना घनसाली पुलिस टीम ने गस्त के दौरान कस्बा मंदार क्षेत्र से एक व्यक्ति को 52पव्वे अंग्रेजी शराब के साथ गिरफ्तार किया गया। इसके साथ ही कस्बा मंदार से ही एक दुकानदार को अपनी दुकान पर व्यक्तियों को शराब परोसने व पिलाने के आरोप में गिरफ्तार किया गया। बताया कि दोनों अभियुक्त ध्यान सिंह रावत तथा आनंद सिंह निवासी ग्राम मंदार के विरुद्ध आबकारी अधिनियम के तहत अभियोग पंजीकृत कर वैधानिक कार्यवाही की जा रही है ।

राज्यपाल आज करेंगे बाबा केदार के दर्शन

रुद्रप्रयाग। उत्तराखंड के राज्यपाल ले. जनरल सेवानिवृत गुरमीत सिंह सोमवार को केदारनाथ धाम पहुंचकर बाबा केदार के दर्शन करेंगे। जिला कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार राज्यपाल उत्तराखंड ले. जनरल (सेवानिवृत्त) गुरमीत सिंह सोमवार को एक दिवसीय केदारनाथ भ्रमण पर पहुंचेंगे।

त्योहार सीजन में सख्त हुई पुलिस, सहयोग की अपील

दीपावली पर्व के मद्देनजर कोटद्वार बाजार में गश्त करती पुलिस टीम

जयन्त प्रतिनिधि।
कोटद्वारः त्योहार सीजन में व्यवस्थाओं को बेहतर बनाए रखने के लिए पुलिस ने कमर कस ली है। पुलिस ने शहर में गश्त करते हुए आमजन व व्यापारियों से भी सहयोग की अपील की। कहा कि व्यापारी सड़क पर सफेद पट्टी के बाहर अपनी दुकान न सजाएं। साथ ही पैदल चलने वालों को किसी भी प्रकार की परेशान न हो इसका विशेष ध्यान रखें।

शनिवार देर शाम अपर पुलिस अधीक्षक जया बलोनी के नेतृत्व में पुलिस टीम ने बाजार की सड़कों पर गश्त की। इस दौरान टीम ने व्यापारियों को सीमित दायरे में ही दुकान लगाने के निर्देश दिए। कहा कि त्योहार सीजन में बड़ी संख्या में शहरवासी खरीददारी करने के लिए बाजार पहुंचते हैं। ऐसे में व्यवस्थाओं को बेहतर बनाना एक चुनौती बन जाता है। व्यापारियों का व्यापार भी बेहतर चले और व्यवस्थाएं भी बनी रहें इसके लिए हम सभी को योजना के साथ कार्य करना होगा। उन्होंने व्यापारियों को पटाखा दुकान भी चिह्नित स्थान पर लगाने के निर्देश दिए। कहा कि नियमों की अनदेखी किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। कहा कि त्योहार को देखते हुए बाजार में पुलिस गश्त भी बढ़ा दी गई है। साथ ही अधिकारी भी समय-समय पर गश्त करते रहेंगे।

शांति व सौहार्द के साथ मनाएं त्योहार

लैंसडौन में आयोजित की गई पीस कमेटी की बैठक

जयन्त प्रतिनिधि।
कोटद्वारः दीपावली त्योहार को लेकर लैंसडौन कोतवाली में पीस कमेटी की बैठक आयोजित की गई। जिसमें क्षेत्रवासियों से दीपावली का त्योहार शांति व सौहार्द पूर्वक मनाने की अपील की गई।

लैंसडौन कोतवाली में बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें स्थानीय दुकानदारों और थाना क्षेत्र के लोग उपस्थित रहे। बैठक में त्योहारों के समय आने वाली समस्याओं के संबंध मे सुझाव लिए गए।

साथ ही उनके निदान हेतु सभी को अवगत कराया गया। दीपावली के त्योहारों को देखते हुए पुलिस चौकनी है। किसी प्रकार की समस्या ना हो इसका ख्याल रखा जाए। पटाखा विक्रेताओं को लाइसेंस बनाकर नियम अनुसार पटाखों की बिक्री करनी होगी।

ताकि किसी भी किसी प्रकार की समस्या उत्पन्न ना हो। इसके साथ ही आगामी धनतेरस और दीपावली को शांतिपूर्वक तरीके से आपसी सौहार्द कायम करते हुए बनाया जाए। त्योहारों में आम रास्तों को जाम ना करें। सभी एक दूसरे की समस्याओं को देखते हुए सहयोग कर दिवाली को भाईचारे के साथ बनाएं।

लैंसडौन में दीपावली की बैठक लेती पुलिस

पुण्यतिथि पर बी.मोहन नेगी को किया याद

जयन्त प्रतिनिधि।
पौड़ीः खिर्सू ब्लॉक सभागर में प्रसिद्ध चित्रकार बी. मोहन नेगी की सातवीं पुण्यतिथि पर स्मृति समारोह का आयोजन किया गया। वक्ताओं ने उनके बहुआयामी कला को प्रेरणादायक और संग्रहणीय बताते हुए पौड़ी शहर में संग्रहालय का नाम उनके नाम पर रखे जाने की मांग की।

शुक्रवार को आयोजित समारोह में मुख्य अतिथि खण्ड विकास अधिकारी खिर्सू शिव सिंह भंडारी ने कहा कि कला के क्षेत्र में उनका कार्य उच्च कोटि का रहा है। उनकी इस कलानिधि की वैज्ञानिक तरीके से संरक्षण की आवश्यकता है। कहा कि सरल स्वभाव व धनी व्यक्तित्व वाले बीमोहन नेगी के कार्यों से भावी पीढ़ी को प्रेरणा लेनी चाहिए और सरकार को भी उनकी कला कृतियों को संरक्षित करने की दिशा मेंकार्य करना चाहिए। समारोह में वक्ताओं ने चित्रकार बीमोहन नेगी के विभिन्न क्षेत्रों में किए गए कार्यों को याद किया और कहा कि उनके द्वारा रेखांकन, कविता पोस्टर, कोलॉज, भोजपत्र पर चित्रकारी, व्यंगचित्र, फोटोग्राफी, पेपरमैस पर कलाकार्य, गढ़वाली साहित्य का संग्रहण व साहित्य के क्षेत्र में किए गए कार्यों को लोगों के बीच सुलभ कराए जाने के लिए सरकार द्वारा विशेष कार्य योजना तैयार की जानी चाहिए। साहित्यकार नरेंद्र कठैत की अध्यक्षता में आयोजित समारोह में चित्रकार बीमोहन नेगी की धर्मपत्नी कल्पेश्वरी नेगी, प्रदीप रावत, योगेंद्र रावत, जर्नादन डबराल, मनमोहन रावत,देवी सिंह, आयुष रावत, केशर सिंह असवाल, कैलाश शाह, एके सिंह, रुचि नेगी आदि शामिल रहे।

रामलीला का हुआ समापन, जयकारों के साथ निकली शोभा यात्रा

जयन्त प्रतिनिधि।
कोटद्वारः सतपुली में आयोजित रामलीला का समापन हो गया। इस दौरान शहर में भव्य शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा देखने के लिए सड़कों पर दर्शकों की भारी भीड़ उमड़ी हुई थी।

नयार घाटी रामलीला कमेटी द्वारा 15 अक्टूबर से शुरू हुई रामलीला मंचन शनिवार को देर शाम तक शोभायात्रा के साथ समापन हो गया। इससे पूर्व ग्याहर दिवस की रामलीला का मंचन देर रात 2 बजे तक किया गया। जिसका शुभारंभ होली के होल्यार टीम के अध्यक्ष प्रेम सिंह रावत व किन्नर रितु रावत द्वारा रिबन काट कर किया गया।

इस दौरान समिति द्वारा उन्हें मोमेंटो और राम पटका पहनाकर सम्मानित किया गया। रामलीला के ग्यारह दिवस का आरम्भ निर्देशक सुनील डंडरियाल और होशियार सिंह बिष्ट के दिशा निर्देशन में माँ जगदम्बे की आरती से की गइ। जबकि आरती के प्रसाद महा लक्ष्मी स्वीट शाप और रितु किन्नर रावत द्वारा दिया गया। अंतिम दिवस की इस रामलीला की शुरुआत रावण के कुंभकरण को उठाने से शुरू की गई। जिसके बाद कुम्भकरण का राम के साथ युद्ध और राम द्वारा वध किया जाता है। जिसकी खबर से तिलमिला कर रावण द्वारा अपने पुत्र मेघनाथ को युद्ध की तैयारी करने को कहा जाता है और मेघनाथ द्वारा युद्ध को सफल बनाने के लिए पूजा की जाती है। युद्ध के दौरान पांडाल में राम, लक्ष्मण, सीता और हनुमान के जयकारों के साथ पंडाल गुंजायमान हो जाता है। रामलीला के मंचन में राम के पात्र के रूप में नैतिक चंदोला, लक्ष्मण आर्यन पाल, सीता गौरांग लिंगवाल, हनुमान पवन शर्मा, मेघनाथ प्रशांत शर्मा, सुग्रीव प्रशांत बौंठियाल, सहित संदीप गढ़वाली, हरी प्रधान, सुरेश प्रधान प्रिंस गुसाई सहित अनेक पात्रों ने मंचन किया। शोभयात्रा में जिसमें राम,सीता, लक्ष्मण के साथ ही भरत-शत्रुघ्न सहित राधा कृष्ण, महादेव पार्वती की झांकी भी शामिल थी। इस मौके पर समिति के अध्यक्ष जयदीप नेगी, उम्मेद सिंह रावत पूर्व प्रधानाचार्य, प्रबंधक मनीष रौन्तेला, कोषाध्यक्ष लोकेश वर्मा, सुरजन रौन्तेला, त्रिलोक सिंह नेगी अध्यक्ष मधु गंगा दंगलेश्वर मंदिर समिति, निर्देशक सुनील डंडरियाल और होशियार सिंह बिष्ट सचिव मनीष खुगशाल स्वतंत्र, मीडिया प्रभारी डब्बल सिंह मिया, संरक्षक प्रेम सिंह रावत, मीना लिंगवाल, गीता रावत, हरी प्रधान, सुरेश प्रधान, प्रशांत बौंठियाल सहित अनेक पदाधिकारी मौजूद रहे।

क्षेत्र में निकाली गई शोभायात्रा

फुटबॉल में गोपाल, अर्जुन व कबड्डी में गंभीर हाउस रहा विजेता

जयन्त प्रतिनिधि।
कोटद्वार। इंस्टिट्यूट ऑफ़ हॉस्पिटैलिटी मैनेजमेंट एंड साइंसेज (आईएचएमएस) की ओर से आयोजित पांच दिवसीय शरदकालीन क्रीड़ा प्रतियोगिता आईएचएमएस ऑलंपियाड-2024 के दूसरे दिन फुटबॉल, कबड्डी और बैडमिंटन खेल का आयोजन किया गया। जसमें विभिन्न हाउस के खिलाड़ियों ने जीत के लिए दमखम दिखाया।

बीईएल रोड बलभद्रपुर स्थित कालेज के खेल मैदान में आयोजित फुटबॉल प्रतियोगिता में पहला मैच गंभीर हाउस और गोपाल हाउस के बीच हुआ। जिसके संघर्ष पूर्ण मुकाबले में गंभीर हाउस ने मैच 2–0 से अपने नाम किया। दूसरा मैच प्रफुल और अर्जुन हाउस के बीच हुआ। दोनों टीमों के बीच गोल के लिए कड़ा संघर्ष हुआ। अंत में अर्जुन हाउस के खिलाड़ियों ने दमखम दिखाते हुए एक गोल से मैच जीता। कबड्डी में गंभीर हाउस और प्रफुल हाउस के बीच हुए मुकाबले में गंभीर हाउस के खिलाड़ी प्रफुल पर भारी पड़े। वहीं अर्जुन और गोपाल हाउस का मैच गोपाल ने जीता। बैडमिंटन के फाइनल मुकाबले में बालिका वर्ग की सिंगल में अर्जुन हाउस ने प्रथम, गंभीर हाउस ने द्वितीय और प्रफुल हाउस ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। बालक वर्ग की सिंगल में अर्जुन ने पहला, गोपाल ने दूसरा और प्रफुल हाउस ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। मैच का आंखों देखा हाल अनुराग सेमवाल और सिद्धांत नौटियाल ने सुनाया, छायांकन नवीन किशोर ने किया। जबकि रेफरी की भूमिका प्रांजल रावत, अनुज नेगी, राहुल गुसाईं, दिलवर रावत, विजेंद्र रावत और शिवप्रकाश चमोली ने निभाई। इस अवसर पर कालेज के डायरेक्टर एकेडमिक्स डॉ. अश्वनि शर्मा, जनसंपर्क अधिकारी नरेश थपलियाल, क्रीड़ा समन्वयक पंकज कुकरेती, सहित संस्थान के सभी प्राध्यापक और कर्मचारी मौजूद रहे।

गोल के लिए संघर्ष करते खिलाड़ी

आज सचिवालय कूच करेंगे कर्मचारी

जयन्त प्रतिनिधि।
पौड़ीः राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन कर्मचारी संगठन पौड़ी ने राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन संविदा कर्मचारी संगठन देहरादून के आह्वान पर 28 अक्तूबर को सचिवालय कूच का निर्णय लिया है। प्रेस को जारी बयान में कर्मचारी संगठन के जिला अध्यक्ष शरद रौतेला, विवेक, अनिल रावत, मनीष, आशीष रावत, आशीष नेगी, पूनम नेगी, मनमोहन ने बताया कि कर्मचारी लंबे समय से नियमितिकरण की मांग कर रहे हैं। लेकिन सरकार उनकी सुध नहीं ले रही है। बताया कि पौड़ी जिले में 345 कर्मचारी स्वास्थ्य मिशन में कार्यरत हैं। जिसमें करीब 93 कर्मचारी आउटसोर्स से तैनात हैं। आउटसोर्स से कार्यरत कर्मचारी नियत मानदेय पर तैनात हैं। जिनको वार्षिक वेतन वृद्धि और बीमा आदि लाभों से वंचित रखा गया है। सभी कर्मचारी परेड ग्राउंड में एकत्र होकर सचिवालय कूच करेंगे।

प्रतियोगिता में मीनाक्षी व दिगंबर रहे प्रथम

जयन्त प्रतिनिधि।
पौड़ीः बीजीआर परिसर में अंतर महाविद्यालयों की क्रॉस कंट्री दौड़ का आयोजन किया गया। दौड़ में मीनाक्षी और दिगंबर ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। दौड़ में गढ़वाल केंद्रीव विवि के बिड़ला परिसर श्रीनगर, बीजीआर परिसर पौड़ी, राठ महाविद्यालय पैठाणी, बादशाहीथौल टिहरी, डीबीएस और आईटीएम देहरादून के 40 खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। क्रॉस कंट्री बालिका वर्ग में बिडला परिसर श्रीनगर की मीनाक्षी ने पहला, राठ महाविद्यालय पैठाणी की ममता ने दूसरा और बिड़ला परिसर की निकिता ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। बालक वर्ग में बीजीआर के दिगंबर पहले, आईटीएम देहरादून के कुलदीप दूसरे और राठ महाविद्यालय पैठाणी के सागर सिंह तीसरे स्थान पर रहे। इस मौके पर आयोजकों ने विजेता व उप विजेता खिलाड़ियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया। बताया कि बालिका व बालक वर्ग के शीर्ष तीन सहित शुभम, चाहत कुमार व चंदन सिंह को अखिल भारतीय क्रॉसकंट्री के लिए चयनित किया गया।

चयनित सभी खिलाड़ी नवंबर माह में मंगलुरू कर्नाटक में होने वाली ऑल इंडिया क्रॉसकंट्री में गढ़वाल विवि का प्रतिनिधित्व करेंगे। इससे पूर्व बीजीआर कैंपस में आयोजित दौड़ का उद्घाटन आयोजक सचिव प्रो. राजेश डंगवाल व प्रो. अनूप पांडेय ने संयुक्त रूप से किया। इस मौके पर विवि खेल बोर्ड से विनोद सेमवाल, महावीर धनाई, डॉ. प्रवीन शर्मा, रामसिंह नेगी, राजकुमार पाल आदि शामिल रहे।

हिंडोलाखाल में पॉलिटेक्निक के छात्रों को अन्यत्र शिफ्ट करने पर भड़के कांग्रेसी

नई टिहरी। जिला कांग्रेस कमेटी देवप्रयाग ने शनिवार को हिंडोलाखाल में संचालित पॉलीटेक्निक से इलेक्ट्रिकल ट्रेड को बंद किये जाने और मैकेनिकल ट्रेड के विद्यार्थियों को अन्यत्र शिफ्ट करने के विरोध में प्रदर्शन किया। कांग्रेसियों ने प्रदेश सरकार के खिलाफ प्रदर्शन कर विरोध जताया। कांग्रेसियों ने मामले को लेकर संस्थान प्राचार्य के माध्यम से मुख्यमंत्री और पॉलीटेक्निक निदेशक को ज्ञापन प्रेषित किया। कांग्रेस जिलाध्यक्ष उत्तम सिंह असवाल ने कहा कि साल 2015 से हिंडोलखाल पॉलीटेक्निक में इलेक्ट्रिकल एवं मैकेनिकल ट्रेड संचालित किए जाते रहे हैं, लेकिन पिछले वर्ष क्षेत्रीय विधायक एवं पॉलीटेक्निक निदेशक की मनमानी से यहां इलेक्ट्रिकल ट्रेड बंद किया गया। वहीं इस वर्ष मैकेनिकल ट्रेड के प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों को अन्यत्र शिफ्ट किया गया, जो बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है। आरोप लगाया कि क्षेत्रीय विधायक फार्मेसी ट्रेड आने पर अपनी पीठ थपथपाते हैं लेकिन जब इलेक्ट्रिकल और मैकेनिकल ट्रेड बंद हो जाता है तो उस पर चुप्पी साथ लेते हैं। यह उनकी नाकामी को दर्शाता है। ब्लॉक अध्यक्ष शशि प्रकाश भट्ट ने कहा कि डबल इंजन भाजपा सरकार के विधायक, सांसदों द्वारा पहले एनसीसी अकादमी को पौड़ी शिफ्ट किया गया और फिर अब हिंडोलाखाल में स्थित पॉलीटेक्निक को बंद करने की साजिश कर रही है। संगठन ने मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजकर इलेक्ट्रिकल ट्रेड को पुन खोलने एवं मैकेनिकल ट्रेड के विद्यार्थियों को अन्यत्र शिफ्ट न कर हिंडोलाखाल पॉलीटेक्निक में शिक्षण कार्य संचालित किए जाने की मांग की है।

13 और 14 नवम्बर को होंगे जिला स्तरीय संस्कृत प्रतियोगिताएं

रुद्रप्रयाग। जनपद स्तरीय संस्कृत प्रतियोगिता 13 और 14 नवम्बर को पीएम श्री अटल उत्कृष्ट राजकीय इंटर कॉलेज रुद्रप्रयाग में संपन की जाएगी। इससे पहले पूरे प्रदेश में 95 विकास खंडों में यह प्रतियोगिता संपन हो चुकी हैं। विकास खंड में प्रथम व द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले सभी प्रतिभागी 12 प्रतियोगिताओं में कनिष्ठ और वरिष्ठ वर्ग में जिले में प्रतिभाग करेंगे। जिले में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली टीम राज्य स्तर के लिए चयनित होंगी। 13 नवम्बर को कनिष्ठ वर्ग की प्रतियोगिताएं संपन होंगी जबकि 14 नवम्बर को वरिष्ठ वर्ग की प्रतियोगिताएं संपन होंगी। यह जानकारी देते हुए जनपद सह संयोजक विनोद प्रकाश भट्ट ने बताया कि जिले की प्रतियोगिताओं के लिए पूर्ण तैयारी कर ली गई हैं।

भागवत कथा सिखाती है आदर्श जीवन जीने की कलाः आचार्य भट्ट

जयन्त प्रतिनिधि।
कोटद्वारः नजीबाबाद रोड, काशीरामपुर में आयोजित भागवत कथा के अंतिम दिन रविवार को आचार्य देवी प्रसाद भट्ट ने उपस्थित श्रद्धालुओं को भागवत कथा के महत्व और इसके जीवन में भूमिका के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि भागवत कथा केवल धार्मिक आस्था का विषय नहीं है, बल्कि यह आदर्श जीवन जीने की कला सिखाने वाला एक महत्वपूर्ण ग्रंथ है।

भागवत कथा के अंतिम दिन भक्तों ने सुदामा चरित्र और परीक्षित मोक्ष की कथा का श्रवण किया। कथा वाचक ने श्रद्धा से सजी इस कथा में सुदामा की मित्रता और श्री कृष्ण की अनुकंपा का गहन वर्णन किया। सुदामा की गरीबी और श्री कृष्ण के साथ उनके अनमोल संबंध ने सभी को भावुक कर दिया। आचार्य भट्ट ने बताया कि कैसे सुदामा की भिक्षाटन की यात्रा ने उसे अपने सच्चे मित्र श्री कृष्ण का आशीर्वाद दिलाया। इसके बाद परीक्षित की कथा सुनाई गई, जिसमें उनकी भक्ति और मोक्ष की प्राप्ति का उल्लेख था।

श्रद्धालुओं ने कथा का श्रवण करते हुए भावविभोर होकर श्री कृष्ण की लीला का अनुभव किया।आचार्य ने कथा के माध्यम से भगवान श्रीकृष्ण के जीवन से जुड़े प्रसंगों का उल्लेख करते हुए बताया कि कैसे हम अपने जीवन में सद्गुणों को आत्मसात कर सकते हैं। उन्होंने श्रद्धालुओं को प्रेरित किया कि भागवत कथा को सुनने से हमें न केवल आध्यात्मिक ज्ञान मिलता है, बल्कि यह हमें सही मार्ग पर चलने की प्रेरणा भी देती है। इस मौके पर आचार्य दीपक ध्यानी, कृष्णा गोदियाल, विनोद देवरानी, अंकित धस्माना, प्रदीप जोशी, ललित जुयाल, वृजेंद्र जुयाल आदि मौजूद रहे।

कथा करते आचार्य देवी प्रसाद भट्ट

शिविर में 125 मरीजों के स्वास्थ्य की हुई जांच

जन्त प्रतिनिधि। कोटद्वारः रोटरी क्लब की ओर से आयोजित निश्शुल्क स्वास्थ्य शिविर में 125 मरीजों के स्वास्थ्य की जांच की गई। इस दौरान लोगों को उनके स्वास्थ्य के प्रति भी जागरूक किया गया। रोटरी भवन में आयोजित स्वास्थ्य शिविर का शुभारंभ नगर आयुक्त वैभव गुप्ता ने किया। सर्वप्रथम शिविर में आए मरीजों का पंजीकरण करवाया गया, तत्पश्चात विशेषज्ञ चिकित्सकों डा. शलभ अग्रवाल, डा. आकाश सिंघल, डा. पवन मलिक, डा. पिया, डा. अमन, डा. निकिता ने मरीजों के ब्लड प्रेशर, ब्लड शुगर, ह्रदय रोग, स्त्री रोग, हड्डी रोग, आंखों की जांच सहित जनरल बीमारियों की जांच की। चिकित्सकों ने मरीजों को स्वस्थ्य रहने के लिए संतुलित आहार, स्वच्छता का ध्यान रखने व नियमित व्यायाम करने के लिए प्रेरित किया। रोटरी क्लब के अध्यक्ष गुरूबचन सिंह ने कहा कि आने वाले समय में क्लब की तरफ से इस प्रकार के जनहित के कार्य किए जाते रहेगें। इस मौके पर डीपी सिंह, सचिन गोयल, विजय माहेश्वरी, गोपाल बंसल, बीना रावत, नरेश अग्रवाल, अवधेश अग्रवाल, डा. एनपी पोखरियाल, वाईपी गिलरा, शरत चंद्र गुप्ता, अशोक अग्रवाल, विपिन बक्शी, ऋषि एरन मौजूद रहे।

विधायक कंडारी ने किया भदली से सिमलासू मोटरमार्ग का शिलान्यास

श्रीनगर गढ़वाल। देवप्रयाग विधायक विनोद कंडारी ने हिंडोलाखाल ब्लॉक के चौण्डी से भदली घटधार थानकोट होते हुए ग्राम सिमलासू बैंड तक बनने वाले मोटरमार्ग के निर्माण कार्य का शिलान्यास किया। ग्रामीणों ने खुशी जताते हुए विधायक विनोद कंडारी और सरकार का आभार व्यक्त किया। विधायक ने कहा कि राज्य योजना के अंतर्गत बनने वाला 5 किलोमीटर का मोटरमार्ग 1 करोड़ 81 लाख 26 हजार रूपये से पूरा किया जाएगा। बताया कि उक्त मोटरमार्ग से चौंड़ी, धानकोट, भदली, घटधार, घेरा सेमलासू गांव के ग्रामीण लाभांवित होंगे। इस दौरान उन्होंने निर्माणदायी संस्था लोकनिर्माण विभाग के अधिकारियों को गुणवत्तापूर्वक कार्य कर तय समय के भीतर निर्माण कार्य शुरू किए जाने के निर्देश दिए। मौके पर भाजपा मंडल अध्यक्ष प्रमोद चंद, विनोद बिष्ट, नरेंद्र रावत, विक्रम बिष्ट, गुड्डू कठैत, दलबीर, मान सिंह आदि मौजूद थे।

पुलिस ने किए शराब के साथ दो लोग गिरफ्तार

रुद्रप्रयाग। केदारनाथ विस उपचुनाव और त्योहारी सीजन को देखते हुए पुलिस ने चेकिंग के दौरान 104 पव्वे शराब के साथ दो व्यक्तियों को गिरफ्तार किया है। दोनों के खिलाफ आबकारी एक्ट में मुकदमा दर्ज किया गया। केदारनाथ विधानसभा में उपचुनाव प्रक्रिया को शांतिपूर्वक संपन कराने के लिए पुलिस स्तर से अवैध गतिविधियों की रोकथाम के लिए चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। पुलिस के चेकिंग अभियान के बीच कुछ लोग शराब तस्करी करने से बाज नहीं आ रहे है। रतन लाल निवासी ग्राम जखवाड़ी, रुद्रप्रयाग के कब्जे से 52 पव्वे एवं द्वारिका निवासी बड़ेथ, तहसील बसुकेदार रुद्रप्रयाग के कब्जे से 52 पव्वे बरामद करते हुए उन्हें गिरफ्तार किया गया।

वार्षिकोत्सव में डीएम दीक्षित ने मेधावियों को सम्मानित किया

नई टिहरी। सेंट एंथोनी पब्लिक स्कूल नई टिहरी के 22 वें वार्षिकोत्सव में रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों की धूम रही। गंगावतरण, तीलू रौतेली, नंदा राजजात, महिसासुर मर्दन और इंस्ट्रमेंटल गढ़वाल डांस सबसे आकर्षण का केंद्र रहा। सीबीएसई बोर्ड परीक्षा में उत्कृष्ट अंक हासिल करने और वर्षभर विभिन्न गतिविधियों में शानदार प्रदर्शन करने वाले छात्र–छात्राओं को स्कूल प्रबंधन की ओर से सम्मानित किया गया। रविवार को सेंट एंथोनी स्कूल के वार्षिकोत्सव का डीएम मयूर दीक्षित ने उद्घाटन किया। उन्होंने छात्र–छात्राओं की ओर से लगाई गई विज्ञान प्रदर्शन का अवलोकन करते हुए शानदार मॉडल का प्रशंसा की। साथ ही आर्ट गैलरी और बच्चों की ओर से आयोजित फेस्ट में भी प्रतिभाग किया। स्कूल के प्रधानाचार्य गौतम बिष्ट ने बताया कि वर्तमान में स्कूल में 1700 से अधिक विद्यार्थी अध्ययनरत हैं। बोर्ड परीक्षा में स्कूल का हमेशा दबदबा रहता है। इस दौरान लगातार 15 वर्षों तक स्कूल में अध्ययनरत छात्र–छात्राओं और उनके परिजनों को स्मृति चिन्ह दिए गए। मौके पर प्रज्ञा दीक्षित, प्रबंधक मुकुंद सिंह चौहान, एसएमसी अध्यक्ष सुशील तिवारी, मुकेश रतूड़ी, जयवीर रांगड़, मोहन सिंह रावत, प्रमोद चमोली, देवेंद्र चमियाल चंदन रावत, अरविंद सिंह, अजय शाह, रविंद्र चौहान, अनीता राणा, अनुराधा बधानी, जगदीश झल्डियाल, राजी रावत आदि मौजूद रहे।

एक नजर

डॉक्टरों ने दिया परामर्श, लोगों ने किया रक्तदान

देहरादून। राष्ट्रीय एकता दिवस के उपलक्ष्य में नव्य भारत फाउंडेशन, भारतीय शिक्षण मंडल, स्टूडेंट असोसिएशन ऑफ फिजीकल थैरेपी की ओर से शनिवार को देवभूमि ब्लड बैंक व रेडकलिफ लैब्स के सहयोग से मुफ्त मेगा हेल्थ कैंप एवं रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। मेडिकल, दंत चिकित्सा आयुर्वेदिक एवं फिजीयोथेरेपी परामर्श कैंप , रक्त जांच शिविर नव्य भारत चैरिटेबल फिजियोथेरेपी सेंटर ,बालावाला में किया गया। मिशन चिरंजीवी भारत के अंतर्गत व मिशन जीवन रेखा के अंतर्गत रक्तदान शिविर में कई लोगों ने रक्त दिया, विशेषज्ञ डॉक्टरों ने परामर्श दिया। शिविर का शुभारंभ पूर्व डीजीपी एवं हरियाणा खेल विवि के कुलपति अशोक कुमार, विधायक डोईवाला बृजभूषण गैरोला, मुख्य वक्ता संगठन मंत्री बीएसएम दया शंकर मिश्रा ने शुभारंभ किया। आयोजक डॉ. अनिरुद्ध उनियाल ने सबका आभार जताया। इस दौरान डॉ. वैभव राणा, डॉ. सिंधिया सकलानी, डॉ. आयुष काला, दुर्गा प्रसाद उनियाल, देवानंद डोभाल, खेमराज उनियाल, अजय उनियाल , प्रमिला उनियाल, दिव्या, शताक्षी, ऋषभ, डा. शाक्षी आदि मौजूद रहे।

खुखरायण बिरादरी की चित्रकला प्रतियोगिता में सोनाली, आलिया विजेता

देहरादून। पर्यावरण संरक्षण के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए दून खुखरायण बिरादरी समिति की 16 वीं अंतर विद्यालयी चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन रविवार को पूर्वी पटेलनगर के श्याम भवन में किया गया। जिसका शुभारम्भ मुख्य अतिथि मानवाधिकार व सामाजिक न्याय संगठन के महासचिव देवेंद्र पाल सिंह कोहली मोंटी, समिति के प्रधान चंद्र मोहन आनंद एवं नीरज कोहली ने दीप प्रज्वलित कर किया ' पूर्वी पटेलनगर स्थित श्याम भवन में आयोजित चित्रकला प्रतियोगिता में शहर के विभिन्न स्कूलों के लगभग 210 बच्चों ने चित्रों के माध्यम से आतिशबाजी रहित दीपावली मनाने का संदेश दिया ' प्रतियोगिता के निर्णायक प्रवक्ता अवनीश सिंह, नीरज भसीन, अनिल भसीन ने कक्षा चार से कक्षा नौ तक तीन श्रेणियों में आयोजित चित्रकला प्रतियोगिता में सोनाली, आलिया प्रवीण एवं ख्याति नौडियाल को प्रथम विजेता घोषित किया, विश्वजीत मिश्रा, आंचल वर्मा एवं वैष्णवी राजपूत को द्वितीय तथा वैष्णवी, अंशिका मौर्य एवं रूही को तृतीय विजेता घोषित किया गया। सभी विजेताओं को मुख्य अतिथि ने स्मृति चिन्ह एवम् सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया ' इस अवसर पर बिरादरी के बोर्ड परीक्षा में 90 प्रतिशत से अधिक अंक लाने वाले तक्षित चड्ढा, पलक कोहली, विनायक भसीन, अतीक सूरी, तेजस्वी सूरी, वृंदा सेठी एवं उनके अभिभावकों को स्मृति चिन्ह भेंट किया गया। कार्यक्रम में प्रधान चंद्र मोहन आनंद, सचिव ओम प्रकाश सूरी, प्रचार मंत्री भूपेन्द्र चड्ढा, विशाल साहनी, विजय सेठी, मनोज सूरी, योगेंद्र कुमार सूरी, वीरेंद्र सभरवाल, प्रवीण आनंद, राजेश साहनी, हरिओम साहनी, कंवल जीत चड्ढा, मुकेश आनंद, वेद प्रकाश सूरी, संजीव आनंद, महेंद्र चड्ढा आदि मौजूद रहे '

दून अस्पताल के गायनी विभाग में तीमारदारों से वसूली, हंगामा

देहरादून। दून मेडिकल कॉलेज अस्पताल में प्राचार्या के गायनी विभाग में प्रसव के बाद स्टाफ द्वारा रुपए मांगे जाने पर हंगामा हो गया। शिकायत अफसरों तक की गई है। प्राचार्य के विभाग में इस तरह की वसूली से तमाम सवाल खड़े हो रहे हैं। इमरजेंसी में वसूली के मामले पहले आ ही चुके हैं। अन्य विभागों में भी कई आरोप लगते रहे हैं। अस्पताल में इस तरह की कार्यशैली से उच्चाधिकारी भी खफा है। नेशविला रोड के नारायण सिंह की पत्नी दीपा की शनिवार शाम को करीब साढ़े छह बजे सिजेरियन डिलीवरी हुई। नारायण के बड़े भाई पूर्व नामित पार्षद और कांग्रेस नेता विकास चौहान ने बताया कि ओटी से एचडीयू में शिफ्टिंग के दौरान 1100 रुपए की मांग स्टाफ ने की। विरोध करने पर अभद्रता की जाने लगी, 600 रुपए तब भी ले लिए। आरोप है कि एचडीयू में कागज रख लिए गए, बिलिंग तक को नहीं दिए। रुपयों की डिमांड की गई। सूचना पर चौहान मौके पर पहुंचे और एतराज जताया। इस दौरान भी दुर्व्यवहार किया हुआ कहा कि कई अन्य लोगों ने रुपए मांगने की बात कही। सुरक्षा कर्मियों ने मामला संभाला। अस्पताल अफसरों को सूचना पर पीआरओ कर्मचारी मौके पर भेजा और पूरी जानकारी ली। चौहान ने कहा कि लोगों से रुपए मांगकर उनका शोषण किया जा रहा है। अफसरों को शिकायत कर ऐसे कर्मचारियों पर कार्रवाई की मांग की है। गायनी में मुफ्त सुविधाओ का बोर्ड लगा है, लेकिन रुपए लिए जा रहे है।

गौचर मेले की तैयारियों को लेकर हुई अंतिम दौर की बैठक

चमोली। आगामी 14 नवंबर से गौचर मेला मैदान में आयोजित होने वाले राज्य स्तरीय औद्योगिक एवं सांस्कृतिक पर्यटन विकास गौचर मेला बहुआयामी अंदाज में देखने को मिलेगा। मेले में उत्तराखण्ड की लोक संस्कृति की आकर्षक झलक के साथ विविध मनोरंजक कार्यक्रम भी शामिल किए जाएंगे। जिलाधिकारी/मेलाध्यक्ष संदीप तिवारी ने रविवार को कलेक्ट्रेट सभागार में समस्त विभागीय अधिकारियों की बैठक लेते हुए गौचर मेले की सभी तैयारियों को समय पर पूरा करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि कार्यक्रमों को अंतिम रूप देकर शीघ्र मेले का ब्राउसर प्रकाशित किया जाए। मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथि सहित सभी महानुभावों को समय पर निमंत्रण पत्र भेजे जाए। मेले के दौरान शांति एवं सुरक्षा व्यवस्था, साफ सफाई, पार्किंग, मूवमेंट प्लान, शुद्ध पेयजल, विद्युत आदि व्यवस्थाओं का पुख्ता इंतजाम सुनिश्चित किया जाए। सांस्कृतिक कार्यक्रमों में वाइब्रेंट विलेज के कार्यक्रम भी शामिल करें। दुकान आवंटन से पूर्व बाहर से आने वाले व्यापारियों का अनिवार्य रूप से सत्यापन करें और दुकानों में अग्नि सुरक्षा व्यवस्था भी सुनिश्चित की जाए। मेले में विकास प्रदर्शनी हेतु विभागीय एवं स्वयं सहायता समूहों के स्टॉल और विभिन्न गोष्ठियों के संचालन हेतु समुचित व्यवस्थाएं की जाए। मेले के दौरान सफाई व्यवस्थाओं में लगे पर्यावरण मित्रों को भी सम्मानित किया जाए। इस दौरान जिलाधिकारी ने मेले का मुख्य पंडाल की व्यवस्थाओं, मेले के प्रचार प्रसार के लिए ब्राउज़र, होर्डिंग्स, पम्पलेट, बैनर, पोस्टर प्रकाशित कराने तथा मेले के आयोजन के लिए आवश्यक संसाधन व सामग्री लेने के लिए आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि गौचर मेला एक ऐतिहासिक राज्य स्तरीय मेला है। इसमें सभी का सहयोग अपेक्षित है। कहा कि सभी के सहयोग से मेले को भव्य एवं आकर्षक बनाया जाएगा।

उप जिलाधिकारी/मेलाधिकारी संतोष पांडेय ने बताया कि मेला समितियों के साथ बैठक कर ली गई है। सभी समितियों ने अपने कार्यक्रम निर्धारित कर दिए है। गौचर मेले का उद्घाटन मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी करेंगे और मेले का समापन नेता प्रतिपक्ष के द्वारा किया जाएगा। महिला दिवस पर 19 नवंबर को मा0 विधानसभा अध्यक्ष को आमंत्रित किया जाएगा। मेलाधिकारी ने विभागों द्वारा आयोजित गोष्ठियों में आने वाले मुख्य एवं विशिष्ट अतिथियों की सूची और विभागीय स्टॉलों की सूची जल्द से जल्द उपलब्ध कराने के निर्देश दिए है। उन्होंने बताया कि दुकानों का आवंटन ऑनलाइन माध्यम से किया जाएगा।

बार एसोसिएशन की शतरंज प्रतियोगिता राजन सूद ने जीती

देहरादून। बार एसोसिएशन की द्वितीय स्व. अमित पोखरियाल एडवोकेट मेमोरियल शतरंज प्रतियोगिता का खिताब अधिवक्ता राजन सूद ने अपने नाम किया। केसी रमोला दूसरे और हसन मंसूर तीसरे स्थान पर रहे। विधि भवन सभागार में रविवार सुबह प्रतियोगिता के खिताबी मुकाबले खेल गए। समापन पर प्रथम अपर जिला जज देहरादून महेश चंद्र कौशिबा ने विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए। उन्होंने अधिवक्ताओं की ऐसी प्रतियोगिताओं को महत्वपूर्ण बताया। इस अवसर पर बार एसोसिएशन के अध्यक्ष राजीव शर्मा बंटू, सचिव राजबीर सिंह बिष्ट, प्रतियोगिता संयोजक एसएस मेहरा, प्रोफेशर डा. शालिनी बहुगुणा बछेदी, आंदोलनकारी वीरेंद्र पोखरियाल, बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष मनमोहन कंडवाल, पूर्व अध्यक्ष अनिल कुमार शर्मा, सौरभ ममगाईं, सुमित अग्रवाल, अंजलि चमोली, अल्का नेगी, फाल्गुनी पोखरियाल, सिद्धार्थ पोखरियाल, सचिन त्रिवेदी समेत कई अधिवक्ता मौजूद रहे।

फर्जीवाड़े से जमीन कब्जाने के आरोप में सास और देवर पर कराया मुकदमा

देहरादून। विधवा महिला ने अपने और बेटे के हिस्से की जमीन फर्जीवाड़े से कब्जा करने के प्रयास में सास और देवर के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। महिला की तरफ से एसएसपी कार्यालय में दी गई तहरीर पर रायपुर थाना पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। रायपुर थानाध्यक्ष प्रदीप नेगी ने बताया कि मीनाक्षी निवासी गंगा एंक्लेव, लोअर तुनवाला ने एसएसपी कार्यालय में तहरीर दी।

कहा कि पति के 2017 में निधन के बाद उनके नाम पर मौजा चकतुनवाला में स्थित भूमि का हिस्सा मीनाक्षी और उनके नाबालिग पुत्र अमन के नाम विरासत में आया था। मीनाक्षी का आरोप है कि उसकी सास मधुबाला ने वर्ष 2022 में कथित तौर पर इस जमीन को उपहार पत्र के माध्यम से देवर नवीन कुमार के नाम करवा लिया। इस प्रक्रिया में मीनाक्षी या या उनके बेटे की अनुमति नहीं ली गई। बिना किसी अनापत्ति प्रमाणपत्र के संपत्ति का हस्तांतरण कर दिया गया। महिला का दावा है कि अगस्त 2024 में जब अपने देवर का विरोध किया तो सास और देवर ने गाली–गलौज की और धमकी दी कि अगर उसने इस मामले में कोई हस्तक्षेप किया तो उसे और उसके बेटे को घर से बाहर कर दिया जाएगा। महिला ने यह भी आरोप लगाया कि उसकी सास और देवर ने जान से मारने की धमकी दी और कहा कि उनसे अब उनका कोई संबंध नहीं है। महिला का कहना है कि इस मामले में अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) देहरादून से कराई गई जांच में भी सत्यता पाई गई है।

दीवाली मेले में रही सांस्कृतिक कार्यक्रम की धूम

ऋषिकेश। लायंस क्लब ऋषिकेश डिवाइन ने दीवाली महोत्सव धूमधाम से मनाया। क्लब के लायंस दीवाली मेले में सांस्कृतिक कार्यक्रमों की धूम रही। सोलो डांस के सीनियर वर्ग में कृष्णा और जूनियर में नोविता अव्वल रहीं। भरत मंदिर इंटर कॉलेज के मैदान में लायंस क्लब ऋषिकेश डिवाइन द्वारा लायंस दीवाली मेला आयोजित किया। जिसका शुभारंभ नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य, कांग्रेस के पूर्व प्रदेश महासचिव राजपाल खरोला और जयेंद्र रमोला ने संयुक्त रूप से किया। यशपाल आर्य ने कहा कि मेले भारतीय संस्कृति की पहचान है। मेलों से हमारी संस्कृति को बढ़ावा मिलता है। इन आयोजनों से छोटे व्यापारियों को भी बहुत लाभ मिलता है। ऐसे मेले को और अधिक बढ़ावा मिलना चाहिए। कांग्रेस नेता राजपाल खरोला ने दीपावली मेले के आयोजन के लिए क्लब का आभार जताया। लायंस क्लब ऋषिकेश डिवाइन के संस्थापक ललित मोहन मिश्र ने कहा कि मेले में अयोध्या में स्थापित प्रभु श्रीराम की मूर्ति की प्रतिमूर्ति आकर्षण का केंद्र है। मेले में क्षेत्र और बाहर से आए युवाओं ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी। ग्रुप डांस सीनियर में डी ट्रेक्शन ग्रुप ने प्रथम, मयंक आर्ट ग्रुप ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। जबकि जूनियर में तृप्ति–खुशी के ग्रुप ने प्रथम, कला–गंगा ग्रुप ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। सोलो डांस सीनियर में कृष्णा ने प्रथम, निशा जैन ने द्वितीय तथा तान्या ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। जूनियर में नोविता ने प्रथम, नाइशा जैन ने द्वितीय तथा अंशिका ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। हेल्दी बेबी में इवान अरोरा ने प्रथम, लक्ष्य कंडारी ने द्वितीय तथा रीहल शर्मा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

अर्सों और गोबर के दीयों की खूब हो रही बिक्री

ऋषिकेश। दीपावली पर्व पर महिला स्वयं सहायता समूहों के हस्तनिर्मित उत्पादों के स्टॉल भी शहर में लगे हैं। इन स्टॉल पर खाद्य पदार्थों के साथ ही गोबर से बने दीये लोगों को खूब भा रहे हैं। स्टॉल पर पहाड़ी अर्से की भी स्थानीय लोग जमकर खरीदारी कर रहे हैं। यह पहल नगर निगम प्रशासन ने की है। दीनदयाल उपाध्याय राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन के तहत गठित समूह त्रिवेणी सेना से जुड़ी महिलाएं इसमें शामिल हैं। स्वच्छ एवं सुरक्षित एवं इको दीपावली मनाने के उद्देश्य से महिला समूहों के सहयोग से त्रिवेणी घाट, कोयल घाटी, एम्स रोड, यात्रा बस अड्डा, इंद्रमणि बडोनी चौक व निगम में मेले का आयोजन किया गया है। नगर आयुक्त शैलेंद्र सिंह नेगी के मुताबिक मेले में स्वयं सहायता समूहों की हस्तनिर्मित विभिन्न वस्तुओं एवं उत्पादों को बिक्री के लिए रखा गया है।

मुख्यमंत्री ने किया उत्तरांचल प्रेस क्लब में आयोजित दीपावली महोत्सव में प्रतिभाग

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने परेड ग्राउण्ड स्थित उत्तरांचल प्रेस क्लब में आयोजित दीपावली महोत्सव में प्रतिभाग करते हुए पत्रकारगणों एवं प्रेस क्लब के सभी सदस्यों को दीपावली की शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि दीपावली का पर्व हम सभी के जीवन में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करने का एक विशिष्ट माध्यम है। सभी के जीवन में सुख, समृद्धि और उत्तम स्वास्थ्य की उन्होंने कामना की। मुख्यमंत्री ने कहा कि पत्रकारिता को संविधान का चौथा स्तंभ कहा जाता है। पत्रकार और पत्रकारिता सिर्फ राजनीतिक और सामाजिक विषयों के प्रचार–प्रसार का माध्यम मात्र नहीं बल्कि लोकतंत्र को जीवित रखने का एक साधन भी है। आम जनता को सरकार की विभिन्न लाभकारी योजनाओं से परिचित कराना हो या उनकी समस्याओं से सरकार को अवगत कराना हो, इन दोनों महत्वपूर्ण दायित्वों का भार मीडिया पर होता है। पत्रकार समाज का वो दर्पण है, जो सरकार और उसके पूरे तंत्र को, उसके कार्यों के धरातल पर होने वाले प्रभावों से अवगत कराता है। जब कभी राष्ट्र को विकट परिस्थितियों का सामना करना पड़ता है तो हमारे पत्रकार बंधु, हमारे वीर जवानों की भांति उस विकट परिस्थिति में सरकार और जनता के साथ कंधे से कंधा मिलाकर कार्य करते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को सशक्त बनाने की दृष्टि से मीडिया जगत को एक महत्वपूर्ण स्थान दिया गया है। उत्तराखंड सरकार भी पत्रकार बंधुओं की समस्याओं के प्रति संवेदनशील है। हमने जहां एक ओर पत्रकारों की पेंशन में वृद्धि की, वहीं विभिन्न जिलों से देहरादून आने वाले पत्रकारों को पूर्व की भांति सूचना विभाग के जरिये प्रदेश की राजधानी में रहने की उचित व्यवस्था में सहयोग करने की भी घोषणा की।

सीएम धामी ने किया पलटन बाजार के मुख्य द्वार का लोकार्पण

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने रविवार को स्मार्ट सिटी परियोजना के अंतर्गत, सर्वे चौक, ई०सी० रोड देहरादून में 66 फीट ऊंचे राष्ट्रीय ध्वज स्मारक का लोकार्पण किया। इस अवसर पर उन्होंने पलटन बाजार के मुख्य द्वार का लोकार्पण भी किया। राष्ट्रीयता एवं देश प्रेम के भाव के लिए सर्वे चौक देहरादून में यह राष्ट्रीय ध्वज स्मारक स्थापित किया गया है। यह मार्ग देहरादून के मुख्य स्थलों राष्ट्रपति आशियाना, राजभवन, मुख्यमंत्री आवास, उत्तराखण्ड शासन का सचिवालय एवं अन्य महत्त्वपूर्ण संस्थानों को जोड़ता है। इस स्थान पर राष्ट्रीय ध्वज स्मारक की स्थापना से जन सामान्य के हृदय में देश प्रेम एवं राष्ट्रीयता का भाव जाग्रत करने का प्रयास किया गया है। इस अवसर पर विधायक खजानदास, उपाध्यक्ष उत्तराखण्ड संस्कृति साहित्य एवं कला परिषद श्रीमती मधु भट्ट, भाजपा के महानगर अध्यक्ष सिद्धार्थ अग्रवाल, एवं स्मार्ट सिटी परियोजना के अधिकारी उपस्थित थे।

हर्षिल क्षेत्र में रोस्टिंग और बिल न मिलने से उपभोक्ता परेशान

उत्तरकाशी। विद्युत उपभोक्ता शिकायत निवारण मंच ने शनिवार को हर्षिल बाजार में उपभोक्ताओं के लिए शिविर आयोजित किया। इस दौरान लो वोल्टेज, रोस्टिंग एवं समय पर बिल न मिलने आदि समस्या से जुड़ी करीब 19 से ज्यादा शिकायतें दर्ज हुई।

बड़ी संख्या में शिकायतों का मौके पर निस्तारण किया गया। जबकि क्षेत्र में अलग बिजली घर बनने में हो रही देरी पर उपभोक्ताओं ने नाराजगी जाहिर की गई। उपभोक्ता शिकायत निवारण मंच उत्तरकाशी द्वारा सीमांत विकास खंड के हर्षिल, बगोरी, धराली, मुखबा, झाला, जसपुर, पुराली, छोलमी, सुक्की आदि गांव के उपभोक्ताओं के लिए हर्षिल बाजार में शिविर आयोजित किया गया। इस दौरान ग्राम प्रधान सुनील सिंह, पूर्व प्रधान राजीव रावत, संजय पंवार, माधवेन्द्र रावत आदि ने क्षेत्र में कई वर्षों से लो वोल्टेज, सुबह–शाम मनमाफिक रोस्टिंग किए जाने की शिकायत दर्ज कराई।

दीपावली के लिए सजा शहर का बाजार

ऋषिकेश। दीपावली पर्व को लेकर नगर क्षेत्र का बाजार पूरी तरह से सज गया है। व्यापारियों ने बाजार को आकर्षक झालरों से सजाया है। रात में बिजली की रंग–बिरंगी लड़ियों से बाजार की चकाचौंध देखते ही बन रही है। दिन ढलने के बाद घाट रोड समेत अन्य बाजारों में लोगों की भीड़ उमड़ने से व्यापारियों के चेहरे खिले हुए हैं। उन्हें इस दीपावली अच्छे कारोबार की उम्मीद है। रविवार को सुबह से लेकर शाम तक बाजार में खरीदारी के लिए स्थानीय के साथ ही आसपास के इलाकों से लोगों की भीड़ जुटी रही। किसी ने मिट्टी के दीये, तो किसी पूजा की सामग्री खरीदी। मिष्ठानों की दुकानों से लेकर कपड़ों की शोरूम में भीड़भाड़ रही। दोपहिया वाहनों के शोरूम में भी धनतेरस को वाहनों की बुकिंग के लिए लोग जमे दिखे। शाम को घाट रोड, मुखर्जी मार्ग और रेलवे रोड पर लोगों को वाहन तो दूर पैदल तक चलने की जगह नहीं मिली। व्यापार मंडल अध्यक्ष ललित मोहन मिश्र ने बताया कि ऑनलाइन खरीदारी से बाजार में फर्क जरूर पड़ा है, लेकिन अभी भी ज्यादातर लोग दुकानों से ही खरीदारी पर ज्यादा फोकस कर रहे हैं। इस दीपावली पर शहर में अच्छा व्यापार होने की उम्मीद है।

बच्ची चुराने वाली महिला रंगेहाथ दबोची

ऋषिकेश। मायाकुंड स्थित झुग्गी–झोपड़ी से एक महिला ने डेढ़ साल की मासूस को चोरी लिया। बच्ची लेकर भाग रही महिला को त्रिवेणीघाट पर लोगों ने शक के आधार पर पकड़ लिया। बच्ची और महिला को लोगों ने पुलिस के हवाले किया। पूछताछ में आरोपी महिला ने 12 साल बाद भी बच्चा नहीं होने पर चोरी की घटना को अंजाम देने की बात कही। हालांकि, पुलिस अभी महिला से गहन पूछताछ में जुटी है। कोतवाली पुलिस के मुताबिक मूलरूप से यूपी स्थित उन्नाव जिले के ग्राम छतईखीरा का रहने वाला संजय यहां झुग्गी–झोपड़ी में रहता है। रविवार सुबह करीब 11 बजे उसकी डेढ़ साल की बच्ची रेवांसी घर के पास ही खेल रही थी। इसी बीच एक महिला उसे उठाकर ले जाने लगी। त्रिवेणीघाट पर संजय के परिचितों ने बच्ची को अज्ञात महिला के पास देखा तो उन्हें शक हुआ। उन्होंने फौरन स्थानीय लोगों की मदद से महिला को पकड़ लिया। संजय को भी घटना की जानकारी दी। इसी बीच पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। संजय और अन्य ने महिला पर बच्चा चोरी का आरोप लगाते हुए उसे पुलिस के सुपुर्द किया। एसआई दिनेश राणा ने बताया कि आरोपी महिला की पहचान नितेश कुमार, निवासी दानीपुर, हरदोई, यूपी के रूप में हुई।

एमडीएस उत्तरकाशी ने जीता क्रिकेट टूर्नामेंट

उत्तरकाशी। मेरी स्कूल चिनालीसौड़ में 20वां फादर पीटर मेमोरियल क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन किया गया। दो दिनों तक आयोजित होने वाले इस क्रिकेट टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला मेरी माता स्कूल व एमडीएस उत्तरकाशी के बीच खेला गया। जिसमें एमडीएस उत्तरकाशी ने मैच जीतकर टूर्नामेंट का खिताब अपने नाम किया। मेरी माता स्कूल के मैनेजर फादर जिन्टो ने बताया कि विद्यालय के छात्र–छात्राओं में खेल भावना को बढ़ाव देने के लिए शनिवार व रविवार को विद्यालय का 20 वां फादर पीटर मेमोरियल क्रिकेट टूर्नामेंट आयोजित किया गया।

केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से शिष्टाचार भेंट की

देहरादून। मुख्यमंत्री धामी ने इस दौरान केंद्रीय मंत्री का स्वागत करते हुए पर्यटन और संस्कृति के क्षेत्र में उत्तराखंड में चल रहे विकास कार्यों से अवगत कराया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड में पर्यटन और तीर्थाटन बहुत तेजी से बढ़ा है, जिससे फ्लोटिंग पापुलेशन बड़ी संख्या में राज्य में आ रही है। ट्रैफिक प्रबंधन पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। सड़क का चौड़ीकरण और पार्किंग का विस्तार करना नितांत आवश्यक है। इसके समाधान के लिए केंद्रीय सहयोग अपेक्षित है।

उन्होंने कहा कि राज्य में पर्यटन के विस्तार की संभावना को देखते हुए नए टूरिस्ट स्पॉट विकसित किए जा रहे हैं। इस दौरान केंद्रीय मंत्री ने केंद्र सरकार की ओर से हरसंभव अपेक्षित सहयोग देने का आश्वासन दिया।

गणेश जोशी ने किया रेंजर्स ग्राउंड में आयोजित दस दिवसीय सरस मेला 2024 के समापन कार्यक्रम में प्रतिभाग

देहरादून। ग्राम्य विकास मंत्री गणेश जोशी ने आज रविवार को देहरादून के रेंजर्स ग्राउंड में आयोजित दस दिवसीय सरस मेला झ 2024 के समापन कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि प्रतिभाग किया। इस दौरान ग्राम्य विकास मंत्री गणेश जोशी ने स्वयं सहायता समूहों द्वारा लगाए गए विभिन्न स्टालों का अवलोकन किया। इस दौरान ग्राम्य विकास मंत्री गणेश जोशी ने मेले में ओडिशा राज्य द्वारा लगाए गए स्टॉल से निर्मित पेंटिंग की खरीदकारी कर ऑनलाइन माध्यम से पेमेंट भी की किया। कार्यक्रम में कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी की पत्नी निर्मला जोशी भी उपस्थिति रही।

इस अवसर पर ग्राम्य विकास मंत्री गणेश जोशी ने सरस मेला 2024 के सफलता के लिए ग्राम्य विकास विभाग ओर जिला प्रशासन के अधिकारियों कर्मचारियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि प्रधानमन्त्री का स्वप्न "लखपति दीदी" की संकल्पना को इस मेले के माध्यम से साकार किया गया है। उन्होंने कहा कि मेले में कुल बिक्री चार करोड छप्पन लाख अडलीस हजार छः सौ उनास्सी (4,56,48,679) हुई हैं। जिसके लिए कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने ग्राम्य विकास विभाग एवं जिला प्रशासन का आभार भी व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि जनपद देहरादून में कुल 12000 से अधिक एवं राज्य में कुल 1.35 लाख से अधिक लखपति दीदी अब तक बनाई जा चुकी हैं। उन्होंने कहा कि वर्ष 2025 तक 1.50 लाख लखपति दीदी के लक्ष्य से भी आगे जाएंगे। उन्होंने कहा कि उत्तराखण्ड राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के अन्तर्गत उत्तराखण्ड के 13 जनपदों के 95 विकास खण्डों में चरण बद्ध तरीके से संचालित की जा रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल मार्गदर्शन और प्रदेश के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में हमारी सरकारी महिलाओं की आजीविका संवर्धन हेतु निरंतर प्रयास किए जा रहे है।।

ग्राम्य विकास मंत्री गणेश जोशी ने राज्य में प्रति समूह 5 से 20 सदस्यों का जुडाव कर समूह का गठन किये जाने का प्राविधान है वर्तमान तक 67172 स्वयं सहायता समूह में 5 लाख समूह सदस्यों का जुड़ाव किया गया है। 15249 सदस्यों को सी०आर०पी० के रूप में प्रशिक्षित किया गया। उन्होंने कहा कि समूहों को तीन माह पूर्ण होने के उपरान्त प्रति समूह रू0 25000 रिवाल्विंग फण्ड (आर०एफ०) के रूप में 53790 समूहों का रिवाल्विंग फण्ड (आर०एफ०) प्रदान किया गया है। उन्होंने कहा कि चारधाम यात्रा मागी पर समूहों के उत्पादों के विपणन हेतु 110 अस्थायी आउटलेटों की स्थापना की गयी।

देहरादून के इस सरस मेले में 20 राज्यों के, तथा उत्तराखण्ड के सभी जनपदो से कुल 250 + स्टॉल स्थापित हुऐ हैं इनके अतिरिक्त, छोटे, फुटकर विक्रेताओं, फूड कोर्ट एवं खेल मनोरंजन से जुडें व्यवसायियों को भी स्थान दिया गया।मेले में हमने सभी बुनियादी व्यवस्थाऐं जैसे आवास, परिवहन तथा रियायती दरों पर भोजन उपलब्ध कराया हैं। स्थानीय लोकसंस्कृति को रोजाना के कार्यक्रमों में प्रत्येक शाम को हमारे लोगों ने बहुत बड़ी संख्या में उपस्थित का अनुभव किया हैं।

जयन्त
संस्थापक
नरेन्द्र उनियाल
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक और
सम्पादक
नागेन्द्र उनियाल
द्वारा जयन्त प्रकाशन डिग्री कॉलेज रोड़, जौनपुर कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से मुद्रित तथा जयन्त कार्यालय चन्द्रसिंह गढ़वाली मार्ग, गैरसैंण, जनपद चमोली उत्तराखण्ड से प्रकाशित
RNI No.UTTHIN/2005/16338